जिसने संघर्ष को अपना साथी बना लिया, उसने ही इस दुनिया में खुद को काबिल बना लिया।

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जनहित का सजग प्रहरी

जन जन जागरण

Web Site: www.janjanjagran.com | भोपाल और झांसी से एक साथ प्रकाशित | भोपाल, शनिवार 16 मई 2026 | वर्ष-35 अंक-266 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए | पेज-6

ब्रीफ न्यूज

महाराष्ट्र में 'स्मार्ट ग्रीन ग्रिड' योजना को मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र में बढ़ती बिजली मांग, औद्योगिक विस्तार और हरित ऊर्जा की ओर बढ़ते रुझान को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने 'महाराष्ट्र = एक्सेलेरेटिंग ग्रीन एनर्जी एंड स्टोरेज टेक्नोलॉजीज इंटीग्रेशन इन कनेक्टेड ग्रिड' नामक एक महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दी है। लगभग 12,303 करोड़ रुपये की इस योजना के लिए विश्व बैंक से 8,616 करोड़ रुपये का ऋण लेने को राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। ऊर्जा विभाग के 14 मई 2026 के शासन निर्णय के अनुसार, इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य की ट्रांसमिशन प्रणाली को अधिक मजबूत बनाना, अक्षय ऊर्जा को बड़े पैमाने पर ग्रिड में एकीकृत करना, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करना और भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा के लिए पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं को बढ़ावा देना है। यह योजना 2026 से 2031 के बीच लागू की जाएगी।

आईआईएमसी में उर्दू पत्रकारिता पीजी डिप्लोमा के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन (आईआईएमसी) में उर्दू पत्रकारिता पीजी डिप्लोमा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। शुक्रवार को आईआईएमसी की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार आईआईएमसी ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए उर्दू पत्रकारिता में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक अभ्यर्थी 26 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। संस्थान ने बताया कि आवेदन पत्र संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 1 जून, 2026 को नई दिल्ली स्थित आईआईएमसी मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। उर्दू पत्रकारिता की कोर्स डायरेक्टर प्रो. (डॉ.) संगीता प्राणवेंद्र के अनुसार परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी। प्रवेश परीक्षा में सामान्य ज्ञान तथा मीडिया एवं संचार से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने उद्योग जगत के दिग्गजों संग की बैठक

चेन्नई। तमिलनाडु में औद्योगिक निवेश को नई गति देने और राज्य को देश का अग्रणी विनिर्माण केंद्र बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने शुक्रवार को चेन्नई सचिवालय में बहुराष्ट्रीय ऑटोमोबाइल कंपनियों और उद्योग संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में राज्य में नए निवेश आकर्षित करने, उद्योगों के विस्तार, रोजगार सृजन तथा निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने जैसे मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री विजय ने ऑटोमोबाइल क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों बीएमडब्ल्यू और टीवीएस मोटर कंपनी के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान राज्य में पहले से प्रस्तावित निवेश परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा भविष्य में संभावित नए निवेश पर विचार-विमर्श किया गया।

आरजी कर कांड में ममता बनर्जी की भूमिका की भी होगी जांच : सीएम शुभेंदु

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले में अब पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भूमिका की भी जांच होगी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को नवान्न में इसकी घोषणा करते हुए इस मामले में तीन आईपीएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। वहीं, पीड़िता की मां व पानीहाटी से भाजपा विधायक ने मुख्यमंत्री के इस फैसले का स्वागत किया है।

अमृतसर एयरपोर्ट पर 2.58 करोड़ का सोना पकड़ा, यात्री गिरफ्तार

अमृतसर। श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक यात्री से 2.58 करोड़ रुपये कीमत का सोना बरामद किया है। यह यात्री मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट एमएच-119 से अमृतसर से कुआलालंपुर जा रहा था।

भोजशाला हिन्दुओं की, मप्र हाई कोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला, माना मां वाग्देवी का मंदिर

एएसआई का 2003 का आदेश भी रद्द, अलग जमीन के लिए आवेदन दे मस्जिद पक्ष

भोपाल। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मामले में शुक्रवार को उच्च न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। उच्च न्यायालय ने भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि भोजशाला परिसर मंदिर ही है। मस्जिद पक्ष को अलग जमीन दी जाएगी। इसके लिए मस्जिद पक्ष सरकार से याचिका करे। अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट के आधार पर इसे मां वाग्देवी का मंदिर माना है। दरअसल, एएसआई ने कोर्ट में 2100 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट पेश की थी। इस रिपोर्ट को एएसआई के 98 दिनों तक चले सर्वे के बाद तैयार किया था, जिसमें कई अहम तथ्य सामने आए। रिपोर्ट के अनुसार खुदाई के दौरान मूर्तियां, सिक्के और कई ऐतिहासिक अवशेष मिले हैं।

न्यायालय ने एएसआई का 2003 का वह आदेश भी रद्द कर दिया, जिसमें एएसआई ने भोजशाला में हिंदुओं को पूजा का अधिकार नहीं दिया था। न्यायालय ने इस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसमें मुस्लिमों को नमाज पढ़ने का अधिकार दिया गया था। न्यायालय ने कहा है कि मस्जिद पक्ष यदि सरकार को आवेदन देता है तो उसे अलग जमीन उपलब्ध कराई जाएगी, साथ ही यह कहा कि सरकार इंग्लैंड से वाग्देवी की प्रतिमा लाने का प्रयास करें

उच्चतम न्यायालय जाएगा मुस्लिम पक्ष एवं जैन समाज

भोजशाला के फैसले पर धार शहर काजी वकार सादिक ने कहा है कि हम फैसले की समीक्षा करेंगे। इसके बाद हम उच्चतम न्यायालय जाएंगे। उधर भोजशाला मामले में जैन समाज की ओर से दायर याचिका न्यायालय ने खारिज कर दी है। जैन समाज की ओर से पैरवी कर रहीं अधिवक्ता प्रीति जैन ने कहा कि सुनवाई के दौरान दावा किया गया था कि तीर्थंकरों की मूर्तियों के अवशेष आज भी ब्रिटिश म्यूजियम में मौजूद हैं और उन्हें उचित स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर जैन समाज उच्च न्यायालय जाएगा।

हिंदू पक्ष ने उच्च न्यायालय में दायर की कैविएट

भोजशाला विवाद मामले में हिंदू पक्ष ने उच्च न्यायालय में कैविएट दायर की है। याचिकाकर्ता जितेंद्र सिंह विशेन की ओर से शुक्रवार को अधिवक्ता बरुण कुमार सिन्हा ने यह कैविएट दाखिल की। इसमें कहा गया है कि उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर होने वाली किसी भी अपील पर हिंदू पक्ष को सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए। दरअसल, जितेंद्र सिंह विशेन इस मामले में छठे याचिकाकर्ता थे, जिस पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने फैसला सुनाया।

उच्च न्यायालय द्वारा धार की ऐतिहासिक भोजशाला को संरक्षित स्मारक एवं मां वाग्देवी की आराधना स्थली मानते हुए दिया गया निर्णय हमारी सांस्कृतिक विरासत, आस्था और इतिहास के सम्मान का महत्वपूर्ण क्षण है।

ASI के संरक्षण एवं प्रबंधन में भोजशाला की गरिमा और अधिक सुदृढ़ होगी तथा श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार सुनिश्चित होगा।

मां वाग्देवी की प्रतिमा को च से भारत वापस लाने के संबंध में केंद्र सरकार को विचार करने का निर्देश स्वागतयोग्य है। इस दिशा में राज्य सरकार भी आवश्यक प्रयास करेगी।

हमारी संस्कृति सदैव 'सर्वधर्म समभाव', सामाजिक समरसता और भाईचारे की वाहक रही है। हम न्यायालय के निर्णय का पूर्ण सम्मान करते हैं और प्रदेश में सौहार्द, सांस्कृतिक गौरव एवं सामाजिक सद्भाव को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

न्यायालय का यह निर्णय स्वागतयोग्य है। राज्य सरकार इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी।

डॉ मोहन यादव
मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश

वाग्देवी की मूल प्रतिमा को मुगलों ने किया था खंडित, 117 साल से लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में है कैद

गौरतलब है कि लंबे समय से भोजशाला को मुस्लिम मस्जिद मानते आ रहे थे, तो हिंदू भोजशाला यानी की मां वाग्देवी का मंदिर। भोजशाला में जिस मां वाग्देवी की पूजा होती है, हकीकत में वह मूल प्रतिमा मप्र के धार से 7350 किमी दूर ब्रिटिश म्यूजियम ग्रेट रसल स्ट्रीट में रखी है। मुगलों के आक्रमण के बाद खंडित हुई मां वाग्देवी की प्रतिमा को अंग्रेजों ने खुदाई कर 1875 में निकाला था। इसके बाद 117 साल से ब्रिटिश म्यूजियम में 7 से 8 फीट ऊंचे कांच के बॉक्स में मां की 4 से 5 फीट ऊंची प्रतिमा के पास ही पूरी प्रतिमा रखी हुई थी।

भारत में एक भी गरीब व्यक्ति मिट्टी के घर में नहीं रहेगा : शिवराज सिंह चौहान

मुंबई। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सातारा जिले में शुक्रवार को कहा कि भारत में एक भी गरीब व्यक्ति मिट्टी के घर में नहीं रहेगा। सभी के लिए पक्के घर प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सातारा जिले के सैनिक ग्राउंड में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री के सुझाव के अनुसार महाराष्ट्र को एक साल में 30 लाख घरों का लक्ष्य दिया गया था। देश के किसी अन्य राज्य को ऐसा लक्ष्य नहीं दिया गया है। केवल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में लक्ष्य हासिल किया। उन्होंने इस सभी क्रांतिकारी काम के लिए उन्हें बधाई दी, चाहे वह हर घर को सोलर एनर्जी पर लाना और ज़ीरो बिजली बिल लाना हो, या रिकॉर्ड कम समय में पांच लाख घर पूरे करना हो, भूमिहीनों को 1 लाख रुपये की सहायता देना हो, और विश्वास व्यक्त किया कि बाकी घर भी जल्द से जल्द पूरे हो जाएंगे। महिला सशक्तिकरण की बात करते हुए, शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में 3 करोड़ दीदी लखपति करोड़पति बन गई हैं, और अब 6 करोड़ दीदी लखपति का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 1 करोड़ लाख बनाने का फैसला किया गया है, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए विकसित भारत जी रामजी योजना 1 जुलाई से शुरू हो रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव आएगा। गांव का डेवलपमेंट प्लान गांव में ही बनेगा, उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि ग्रामीण इलाकों के डेवलपमेंट की रफ़्तार बढ़ेगी।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की नाम्ची में प्रमुख विकास परियोजनाओं की समीक्षा

नाम्ची। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सिक्किम के अपने आधिकारिक दौरे के दूसरे दिन नाम्ची जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हुए शिक्षा, पर्यटन, चाय उत्पादन और खेल विकास से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय हितधारकों, छात्रों, चाय बागान श्रमिकों और युवा खिलाड़ियों से बातचीत की तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र में आधारभूत ढांचे, आजीविका और जमीनी स्तर पर अवसरों को मजबूत करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, केंद्रीय मंत्री ने नाम्ची जिले के तार्कु में निर्माणाधीन कंचनजंगा सिक्किम स्टेट यूनिवर्सिटी का दौरा किया, जो सिक्किम में विकसित की जा रही पहली राज्य विश्वविद्यालय है। 28 एकड़ में फैले इस विश्वविद्यालय को उत्तर पूर्व परिषद (एनईसी) द्वारा डोनर मंत्रालय के माध्यम से 9.61 करोड़ की सहायता प्रदान की गई है। निर्माण पूरा होने के बाद यहां 1,500 से अधिक छात्रों के अध्ययन की सुविधा होगी।

बंगाल विधानसभा का बजट सत्र 18 जून से शुरू होगा, 22 को पेश होगा पूर्ण बजट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा का बजट सत्र 18 जून से शुरू होगा और 22 जून को राज्य की पहली भाजपा नीत सरकार का पूर्ण बजट पेश किया जाएगा। विधानसभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रथींद्र बोस ने शुक्रवार को सदन के विशेष सत्र में इसकी घोषणा की। इसी विशेष सत्र में उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष पद की शपथ भी ली।

पूर्ण बजट 22 जून को पेश किया जाना है। ऐसे में माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार जल्द ही राज्य के नए वित्त मंत्री के नाम की घोषणा कर सकती है। इस वर्ष पांच फरवरी को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार में वित्त राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रहीं चंद्रिमा भट्टाचार्य ने विधानसभा में अंतरिम बजट यानी वोट ऑन अकाउंट पेश किया था।

संस्कृति मंत्रालय ने दिनेश चंद्र जोशी की जन्म शताब्दी समारोह पर जारी किया डाक टिकट

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में शुक्रवार को आचार्य दिनेश चंद्र जोशी की जन्म शताब्दी समारोह और राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान उनको समर्पित एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। इस दौरान कार्यक्रम का उद्घाटन संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव समर नंदा ने किया। मंत्रालय के अनुसार इस मौके पर जारी टिकट संस्कृत विद्वत्ता और भारतीय संस्कृति में उनके अपार योगदान को मान्यता देता है। इस डाक टिकट के विमोचन के माध्यम से विद्वान के संस्कृत तथा भारतीय ज्ञान परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के प्रति आजीवन सेवा को राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम को साहित्य अकादमी और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सहयोग से किया।

राहुल गांधी के विदेश दौरों पर केंद्रीय मंत्री ने उठाए सवाल, तीन हफ्ते पहले संसद को सूचित करना आवश्यक

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हर भारतीय को देश के नियम और कानून का पालन करना चाहिए। एक सांसद को तो विशेष रूप से इन नियमों के दायरे में रहकर ही काम करना चाहिए।

किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर कोई सांसद विदेश यात्रा करना चाहता है तो उसे लोकसभा या राज्यसभा सचिवालय को तीन

सप्ताह पहले सूचित करना आवश्यक होता है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की बिना सूचना के विदेश यात्रा गंभीर सवाल खड़े करता है। प्रत्येक सांसद को अपनी विदेश यात्रा से 3 सप्ताह पहले लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय को सूचित करना अनिवार्य है। यह अनुमति नहीं बल्कि सूचना है। सांसद विदेश यात्रा कर सकते हैं लेकिन सूचना देना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि अगर कोई सांसद विदेश में आतिथ्य सत्कार स्वीकार करता है तो उसे आमंत्रित करने वाली एजेंसियों या संगठनों द्वारा वहन किया जाने वाला खर्च एफसीआरए के अंतर्गत आएगा। राहुल गांधी साल 2004 से सांसद हैं और उनकी 54 विदेश यात्राएं दर्ज की गई हैं।

रामेश्वरम मंदिर में लड्डू घोटाला: मुफ्त प्रसाद बेचकर 3.40 करोड़ की धोखाधड़ी, छह कर्मचारी निलंबित

रामनाथपुरम। अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं को मुफ्त वितरित किए जाने वाले लड्डू प्रसाद को अवैध रूप से बेचकर 3 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने के मामले में मंदिर प्रशासन ने एक जूनियर असिस्टेंट सहित छह कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब पिछले मार्च महीने में मंदिर के संयुक्त आयुक्त सेलत्तुरई ने लड्डू प्रसाद की तैयारी और आय-व्यय खातों की अचानक जांच कराई। जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। प्राथमिक जांच में पता चला कि प्रसाद निर्माण और बिक्री के प्रभारी जूनियर असिस्टेंट के. पंचमूर्ति ने मुफ्त बांटे जाने वाले लड्डुओं की संख्या रिकॉर्ड में कम दिखाकर उन्हें स्टॉलों के माध्यम से अवैध रूप से बेच दिया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने श्रीलंका की महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को श्रीलंका की महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का दिल्ली सचिवालय में स्वागत किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्रीलंका की महिला और बाल कल्याण मंत्री सरोजा सावित्री पॉलराज कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि श्रीलंका के लोकतांत्रिक सफर में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी एक उत्साहजनक सामाजिक परिवर्तन को दर्शाती है। भारत और श्रीलंका

गहरे सभ्यतागत बंधनों, लोकतांत्रिक मूल्यों और अटूट जन-संबंधों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत महिला के नेतृत्व विकास की परिकल्पना के साथ आगे बढ़ रहा है, जहां नारी शक्ति राष्ट्रीय प्रगति की एक प्रमुख शक्ति है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीलंका की महिला सांसदों का दौरा भारत और श्रीलंका के बीच मित्रता को और मजबूत करेगा और महिला नेतृत्व के माध्यम से गहन सहयोग को प्रेरित करेगा।

दिसंबर 2024 में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई उनकी चर्चाओं के बाद श्रीलंका की महिला सांसदों के समूह की भारत यात्रा हो रही है।

पंजाब में हार के डर से कांग्रेस और आआपा एसआईआर पर उठा रही है सवाल: भाजपा

नई दिल्ली। पंजाब में विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर विपक्षी दलों के विरोध पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि पंजाब में करारी हार के डर से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) अब विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) जैसी संवैधानिक और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने लगी हैं। सच्चाई यह

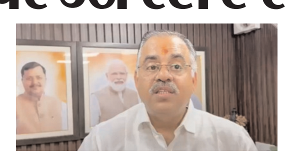

है कि आज़ादी के बाद देश में 13 बार एसआईआर और गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया हो चुकी है, जिनमें अधिकांश समय कांग्रेस स्वयं सत्ता में थी।

शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों सहित पंजाब में शुरू की गई यह प्रक्रिया लोकतंत्र को मजबूत करने, असली मतदाताओं के अधिकार सुरक्षित करने और फर्जी या डुप्लीकेट नाम हटाने के लिए है। जनता को गुमराह करने और डर फैलाने के बजाय विपक्ष को एक जिम्मेदार लोकतांत्रिक दल की तरह इस प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए।

ब्रीफ न्यूज

70 ट्रेनों का आवागमन, 15 हजार टिकट रोज बिक रहे

उज्जैन रेलवे स्टेशन पर पहले के मुकाबले यात्रियों की संख्या बढ़ी

उज्जैन। उज्जैन में महाकाल तथा महाकाल लोक के दर्शन के लिए रोजाना हजारों लोग उज्जैन पहुंच रहे हैं। पूर्व में प्रमुख त्यौहारों पर ही पर्यटक और श्रध्दालु उज्जैन आते थे, लेकिन अब यह आंकड़ा प्रतिदिन औसतन 50 हजार से ऊपर पहुंच गया है। उज्जैन रेल्वे स्टेशन से भी पिछले कुछ वर्षों में टिकटों की बिक्री बढ़ गई है।

उल्लेखनीय है कि विगत 3 वर्षों में और खासकर महाकाल लोक बनने के बाद से ही उज्जैन में ट्रेन से आवागमन करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ी है। वर्तमान में रेलवे स्टेशन के टिकट घर से रोजाना औसतन 15 हजार टिकट बिक रहे हैं। स्टेशन से प्रतिदिन 70 ट्रेनों का आवागमन हो रहा है। शहर में अब देश भर से हजारों पर्यटक और दर्शनार्थी उज्जैन पहुंच रहे हैं। किसी पर्व या विशेष अवसर पर यह संख्या काफी बढ़ जाती है। उज्जैन रेलवे स्टेशन पर 8 प्लेटफार्म है। पहले बड़ी लाइन की ट्रेनों का संचालन प्लेटफार्म नं. 2 तथा 7 से अधिक होता था, लेकिन अब नविनीकरण के बाद प्लेटफार्म नंबर 8 से भी लंबी दूरी की ट्रेनें चलना शुरु हो गई है। इसके साथ ही प्लेटफार्म नं. 2 की लंबाई में वृद्धि की गई है। इसके बाद इस प्लेटफार्म को बड़ी लाईन से जोड़ा गया है। प्लेटफार्म नं. 8 को भी दोनों ओर से ट्रेनों का आवागमन शुरु हो गया है। स्टेशन मास्टर संजय सक्सेना के अनुसार वर्तमान में स्पेशल ट्रेनों सहित लंबी तथा कम दूरी की कुल मिलाकर 70 ट्रेनें उज्जैन रेलवे स्टेशन से आवागमन कर रही है। इन ट्रेनों से रोजाना 20 हजार से अधिक यात्री उज्जैन पहुंच रहे हैं। वहीं यहां से करीब 15 हजार यात्री रोज टिकट लेकर सफर कर रहे हैं।

औद्योगिक क्षेत्र भेरू डूंगरी इंडस्ट्रियल पार्क के भूमि आवंटन के लिए कार्यशाला 19 मई को

शाजापुर। एमपीआईडीसी द्वारा विकसित किए गए औद्योगिक क्षेत्र भेरू डूंगरी शाजापुर इंडस्ट्रियल पार्क में भूमि आवंटन के लिए ऑनलाइन आवेदन एवं टेंडर प्रक्रिया के सम्बन्ध में 19 मई 2026 को सायं 4.00 बजे कलेक्टर सभाकक्ष शाजापुर में कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

10 दिवसीय कृषि रथ का संचालन 16 से 25 मई तक

शाजापुर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा हैं। किसानों तक कृषि एवं संबंधित विभाग पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, एवं कृषि वैज्ञानिको के माध?यम से नई तकनीकी जानकारी और शासकीय योजनाओं को सीधे पहुँचाने के उद्देश्य से जिले में 16 मई 2026 से 10 दिवसों तक कृषि रथ चलाया जायेगा। किसान कल्याण तथा कृषि विकास उप संचालक श्री आरएल जामरे बताया कि कृषि रथ जिले के प्रत्येक विकासखंड की ग्राम पंचायतों में जाएगा। इसके माध्यम से खरीफ फसलों की बुवाई से पहले किसानों को उपयोगी जानकारी दी जाएगी। किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, उर्वरक का संतुलित उपयोग, कीट-रोग प्रबंधन, फसल विविधीकरण, पराली प्रबंधन, खेती को लाभकारी बनाने के उपाय तथा विभिन्न शासकीय कृषि योजनाओं, साथ ही ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था तथा उर्वरकों का अनुशंसा अनुसार उपयोग की जानकारी भी दी जाएगी।

फार्मर रजिस्ट्री सेचुरेशन की कार्यवाही के लिए विशेष शिविर 16 मई को

शाजापुर। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देश पर 16 मई 2026 को 10ः00 बजे से सायं 06ः00 बजे तक समस्त पटवारी हल्का मुख्यालयों में फार्मर आईडी से शेष किसानों के रजिस्ट्रेशन एवं फार्मर आईडी लिंक से शेष खातों को फार्मर आईडी में जोड़े जाने के लिए विशेष कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिससे कि कृषकों को खाद वितरण एवं अन्य शासकीय योजनाओं में लाभ लेने में असुविधा न हो। इस सम्बन्ध में अपर कलेक्टर द्वारा जिले के समस्त तहसीलदारों को समस्त पटवारी हल्का मुख्यालय में 16 मई को आयोजित विशेष अभियान में प्रातः 10ः00 बजे से सायं 06ः00 बजे तक पटवारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए, फार्मर रजिस्ट्री अंतर्गत फार्मर आईडी से शेष किसानों के रजिस्ट्रेशन एवं फार्मर आईडी लिंक से भूमि सर्वे नंबरों को फार्मर आईडी में जोड़े जाने के लिए पटवारियों को निर्देशित करने किए कहा है।

उज्जैन पहुंचे मुख्यमंत्री ने जय गुरुदेव आश्रम में लिया आशीर्वाद

रामघाट पर सिंहस्थ विकास कार्यों का किया निरीक्षण, बोले- जनभागीदारी से बदल रहा उज्जैन

उज्जैन। आश्रमों और संतों से मिलने वाली शिक्षा समाज को सही दिशा देती है। यह सत्यमार्ग पर चलने, जीवन के सुकर्मों को समझने और मानवता के प्रति समर्पण के लिए जरूरी है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को कही। वे जय गुरुदेव आश्रम में बोल रहे थे। उन्होंने श्री गुरुवर से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसके बाद राम घाट पर सिंहस्थ निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। सीएम गुरुवार को उज्जैन पहुंचे थे।

डॉ. यादव ने कहा कि आज उज्जैन में जय गुरुदेव आश्रम में गुरुदेव उमाकांत महाराज के अमृत प्रवचन का श्रवण कर आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला।

उन्होंने कहा कि उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ-2028 के महापर्व के लिए स्थानीय जनता, जनप्रतिनिधि और प्रशासन सब मिलकर एक भाव के साथ कार्य कर रहे हैं। सभी धर्मों के लोग अपने देवस्थानों को हटाने के लिए स्वयं पहल कर रहे हैं। यह अत्यंत सराहनीय है।

आध्यात्मिक, सांस्कृतिक नगरी के रूप में स्थापित करेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुदेव के मार्गदर्शन से जीवन सरल और संयमित होकर जीने का मार्ग मिल जाता है। सिंहस्थ-2028 में उज्जैन

को हम मेट्रो सिटी के साथ-साथ आध्यात्मिक, सांस्कृतिक नगरी के रूप में भी स्थापित करेंगे। गोवंश के संरक्षण के लिए प्रदेश में गौशालाओं का निर्माण कर रहे हैं, वहीं सनातनी परंपराओं को सहेजते हुए सरकार ने उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, दतिया (पीतांबरा पीठ), सलकनपुर, ओरछा और चित्रकूट समेत प्रदेश के 19 प्रमुख धार्मिक और पवित्र नगरों में शराबबंदी लागू कर दी है।

अपने सेवा कार्यों से जनता के प्यारे और लाडले बन गए

गुरुदेव उमाकांत महाराज ने कहा, आप सालों से इस आश्रम से जुड़े हैं और लगातार आते रहे हैं। मुख्यमंत्री जैसी बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद भी आपने भक्ति और प्रेम के लिए समय निकाला है। पहले मैं आपको %मोहन प्यारे% कहकर बुलाता था, लेकिन आज आप अपने सेवा कार्यों से पूरी जनता के प्यारे और लाडले बन गए हैं.卐 उन्होंने सीएम को सत्य, सनातन और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए जनसेवा करते रहने का आशीर्वाद दिया।

विकास और निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

आश्रम से निकलने के बाद मुख्यमंत्री सीधे राम घाट पहुंचे। यहां उन्होंने आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए चल रहे विकास और निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने घाट क्षेत्र के सौंदर्गीकरण, यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधाओं और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर अधिकारियों से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उज्जैन को धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से और अधिक विकसित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार के सहयोग से शहर में कई निर्माण और विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं, जिनकी नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि सभी कार्य तय समय सीमा में और गुणवत्ता के साथ पूरे हो सकें।

उज्जैन में आदिनाथ क्लिनिक सील, एलोपैथिक इलाज करने पर कार्रवाई

बीएमएस डॉक्टर कर रहा था एलोपैथिक दवाओं से इलाज, तीन दिन पहले दी थी चेतावनी

उज्जैन। उज्जैन के लक्ष्मी नगर स्थित आदिनाथ क्लिनिक को स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को सील कर दिया। विभागीय जांच में क्लिनिक में एलोपैथिक उपचार किए जाने की पुष्टि होने के बाद यह कार्रवाई की गई।

दोपहर में स्वास्थ्य विभाग की टीम क्लिनिक पहुंची और वहां से निकल रहे मरीजों को रोककर उनके पर्चों की जांच की। साथ ही आसपास की मेडिकल दुकानों से दवाओं की जानकारी भी जुटाई गई। जांच में सामने आया कि मरीजों को 卐आदिनाथ क्लिनिक, लक्ष्मी नगर नाम के पर्चे दिए जा रहे थे और उन्हें एलोपैथिक दवाएं तथा बोतलें चढ़ाई जा रही थीं।

क्लिनिक के बोर्ड पर संचालक डॉ. राजेश जैन के साथ उनके बेटे डॉ. आदिश देव कुमार जैन और बेटी डॉ. अदिति जैन के नाम भी दर्ज थे।

राजपत्र और पंजीयन प्रमाण पत्र के आधार पर कर रहे थे प्रैक्टिस

जांच के दौरान टीम को क्लिनिक के अंदर मध्यप्रदेश राजपत्र की प्रति और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आयुर्वेदिक पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रतियां मिलीं। डॉ. जैन ने अधिकारियों को बताया कि वे इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर प्रैक्टिस कर रहे थे।

स्वास्थ्य विभाग को क्लिनिक के भीतर एक पलंग, ब्लड प्रेशर जांचने की मशीन, कुर्सियां और अन्य चिकित्सा उपकरण मिले। एक कांच के चैंबर में अतिरिक्त पलंग और पुराना सामान भी रखा हुआ था।

तीन दिन पहले दी थी इलाज न करने की चेतावनी

अधिकारियों ने बताया कि तीन दिन पहले ही डॉ. जैन को एलोपैथिक उपचार नहीं करने की चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद मौके पर एलोपैथिक इलाज जारी मिला। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बीएमएस डॉक्टरों को एलोपैथी प्रैक्टिस की अनुमति नहीं है।

पेट्रोल-डीजल 3-3 रुपए महंगा, लोग बोले- रहम करो

पेट्रोल पंपों पर घटने लगी भीड़

उज्जैन। देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 3-3 रुपए प्रति लीटर बढ़ गई है। अब इसका असर मध्यप्रदेश में भी साफ दिखाई दे रहा है। राजधानी भोपाल में पेट्रोल का दाम 106.68 रुपए से बढ़कर 109.71 रुपए प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल 91.87 रुपए से बढ़कर 94.88 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है।

इसी तरह उज्जैन में पेट्रोल 110.16 रुपए और डीजल 95.34 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। जबलपुर में पेट्रोल 110.10 रुपए और डीजल 95.28 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, ग्वालियर में पेट्रोल 110.02 रुपए और डीजल 95.19 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है।

पेट्रोल-डीजल के बढ़े हुए दामों से आम जनता परेशान है। लोगों का कहना है कि

महंगाई की मार सबसे ज्यादा गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ती है। कई लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अब गाड़ी सोच-समझकर चलानी होगी, क्योंकि लगातार बढ़ती कीमतों ने घरेलू बजट बिगाड़ दिया है।

लोगों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल महंगा होने का असर सिर्फ वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि ट्रांसपोर्ट खर्च बढ़ने से रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुएं भी महंगी हो जाती हैं।

जनगणना संभाग प्रभारी एवं जिला प्रभारी ने जनगणना कार्य का निरीक्षण किया

शाजापुर। जनगणना कार्य निदेशालय मध्यप्रदेश भोपाल से जनगणना संभाग प्रभारी श्री राजेश मोर्य एवं जनगणना जिला प्रभारी श्री मिलिंद देशपांडे द्वारा आज ग्राम सुंदरसी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनगणना कार्य हेतु नियुक्त सुपरवाईजर एवं प्रगणको से चर्चा कर कार्य के दौरान आ रही समस्याओं का समाधान किया गया तथा ग्राम का भ्रमण कर जनगणना कार्यवाही की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया गया। तथा जनगणना सुपरवाईजरों एवं प्रगणको को समय-सीमा में शत-प्रतिशत कार्यवाही के संबंध मे निर्देश प्रदान किये गये।

इस दौरान जनगणना चार्ज अधिकारी पोलायकलां श्रीमती अंकिता पाटकर, अतिरिक्त चार्ज अधिकारी श्री घनश्याम लोहार, श्री तुषार शर्मा, सुपर वाइजर, प्रगणक आदि उपस्थित थे।

13 साल बाद विशेष संयोग में आज शनि जयंती और अमावस्या

उज्जैन में शिप्रा नदी पर फव्वारों से होगा स्नान, 24 घंटे तक अर्पित होगा तेल

उज्जैन। शनिवार को 13 साल बाद एक विशेष संयोग में शनि जयंती और शनिचरी अमावस्या दोनों एक ही दिन मनाई जाएंगी। इस पर्व को लेकर त्रिवेणी स्थित शनि मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मान्यता है कि यहां तेल चढ़ाने से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैय्या से मुक्ति मिलती है।

16 मई को ज्येष्ठ अमावस्या के दिन उज्जैन में शनिचरी अमावस्या का विशेष महासंयोग बन रहा है। शनि जयंती और शनिचरी अमावस्या एक साथ होने पर शनि मंदिरों में विशेष अनुष्ठान किए जाएंगे। मंदिर में पंचामृत पूजन, 56 भोग और पुष्प व विद्युत सज्जा की जाएगी।

महंत राकेश बैरागी के अनुसार शनि मंदिर में 24 घंटे तक तेल अर्पित किया जाएगा। देशभर से आने वाले श्रद्धालु दर्शन, तप और स्नान के लिए पहुंचेंगे। भक्त सबसे पहले शिप्रा नदी में स्नान करेंगे और फिर मंदिर में पूजन-अर्चन करेंगे। इस दौरान वे अपने साथ लाए तेल, नारियल, काला कपड़ा और काला तिल अर्पित कर दान-पुण्य करेंगे।

त्रिवेणी घाट पर फव्वारों से स्नान

त्रिवेणी घाट स्थित प्राचीन नवग्रह शनि मंदिर में लाखों श्रद्धालु शिप्रा स्नान और शनिदेव के दर्शन के लिए जुटेंगे। श्रद्धालु देर रात से ही मंदिर पहुंचने लगेंगे। तड़के शिप्रा नदी के त्रिवेणी घाट पर फव्वारों से स्नान करने के बाद वे अपने कपड़े और जूते-चप्पल दान कर मंदिर में प्रवेश करेंगे।

भक्त शनिदेव को तेल, तिल, काला कपड़ा, लोहा और नमक अर्पित करेंगे। भीड़ को देखते हुए पुलिस, होमगार्ड और स्ष्ठक्रस्न की टीमें तैनात की गई हैं।

श्रमिकों के लिए औजार दान अभियान

शनि जयंती और शनिचरी अमावस्या के अवसर पर उज्जैन के फ्रीगंज क्षेत्र स्थित घास मंडी चौराहा पर जरूरतमंद श्रमिकों के लिए विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कृष्णा गुरुजी द्वारा श्रम सेवा और औजार वितरण अभियान के तहत गैती, फावड़ा, तगारी, खुरपी सहित आवश्यक श्रम उपकरण दान किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि शनिचरी अमावस्या देव कर्म, श्रम, न्याय और सेवा का प्रतीक है। इस दिन कर्मशील वर्ग की सहायता करना आध्यात्मिक साधना के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का भी श्रेष्ठ उदाहरण है।

महापौर रिक्शा में तो निगम आयुक्त ई स्कूटी पर सवार होकर निकले

दोनों ने किया निरीक्षण

उज्जैन। पेट्रोल-डीज़ल के मितव्ययिता पूर्ण उपयोग के दृष्टिगत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशवासियों से की गई अपील एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आवाहन पर उज्जैन नगर पालिक निगम में भी महापौर मुकेश टटवाल द्वारा शुक्रवार को ई रिक्शा में सवार होकर और निगम आयुक्त ई स्कूटी पर सवार होकर निरीक्षण किया गया साथ ही जनता द्वारा जो समस्या बताई गई वायरलेस सेट के माध्यम से कंट्रोल रूम पर संबंधित शिकायत को दर्ज करवाते हुए नागरिकों द्वारा बताए गए समस्या का समाधान किया गया।

महापौर मुकेश टटवाल द्वारा उज्जैन शहर के पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, समस्त नागरिकों से भी अपील की है कि सप्ताह में एक दिन वाहनों का प्रयोग ना करते हुए डीजल एवं पेट्रोल की खपत को बचाए एवं इलेक्ट्रिक वाहनों ई रिक्शा का उपयोग करें और डीजल की खपत को कम करने में सहयोग करें जिसके क्रम में एमआईसी सदस्यों एवं निगम अधिकारियों द्वारा साइकिल, ई रिक्शा , इलेक्ट्रिक व्हीकल के साथ कार्य पर निकले।

निगम आयुक्त इलेक्ट्रिक स्कूटी पर निरीक्षण करने पहुंचे

पेट्रोल-डीज़ल के मितव्ययिता पूर्ण उपयोग के दृष्टिगत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देशवासियों से की गई अपील एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव जी के आवाहन पर उज्जैन नगर पालिक निगम में भी पर्यावरण संरक्षण एवं ईंधन की बचत करते हुए समाज तक सकारात्मक संदेश पहुंचाने हेतु शुक्रवार को निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन पर सवार होकर मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे जिसके क्रम में आयुक्त द्वारा हनुमान नाका से होते हुए हरि फाटक ब्रिज तक प्रचलित मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया तत्पश्चात इलेक्ट्रिक वाहन के द्वारा ही नगर निगम कार्यालय पहुंचे।

एमआर-5 मार्ग की एक दर्जन कॉलोनियों में पीएचई की लाईन नहीं पहुंच रही

8 वर्ष पहले पिछले निगम सदन में कनेक्शन देने का प्रस्ताव हुआ था मंजूर - सिर्फ हेंडपंप और बोरिंग के भरोसे 5 हजार परिवार

उज्जैन। आगर रोड एमआर-5 की एक दर्जन कॉलोनियों के हजारों रहवासियों को पिछले 8 साल से पीएचई की पाइप लाइन से पीने का पानी मिलने का इंतजार है। पिछले भाजपा बोर्ड के कार्यकाल में यहां पीएचई की लाईन डालने का प्रस्ताव मंजूर भी हो गया था, लेकिन अभी भी लोग पीने के पानी के लिए हेंडपंप और बोरिंग का इस्तेमाल कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि आगर-मक्सी रिंग रोड से सटी कॉलोनियों का विकास सिंहस्थ 2016 के निर्माण कार्यों के साथ शुरू हुआ। यहां पर इनर रिंग रोड सीमेंट कांक्रीट का होने के बाद बड़ी संख्या में कॉलोनियां तो बनी लेकिन सबसे बड़ी समस्या यहां आज भी पीने के पानी की है। करीब 8 साल पहले भाजपा बोर्ड के पिछले कार्यकाल में शहर में विभिन्न स्थानों पर 9 टंकियां बनाने के प्रस्ताव के साथ साथ एमआर-5 मार्ग की करीब एक दर्जन कॉलोनियों में पीएचई की लाईन जोडने् के प्रस्ताव को भी मंजूर किया गया था। इसमें मुख्य रूप से एमआर-5 मार्ग की बाफना पार्क, शारदा होम्स, खंडेलवाल नगर, तिरूपति एवेन्यु, महालक्ष्मी विहार, शीतल पैलेस, रतन एवेन्यु, मोदी नगर, प्रेमनगर, गुलमोहर कॉलोनी में नगर निगम और पीएचई पेयजल लाइन पहुंचाने के दावा करते रहे हैं, लेकिन अभी तक समस्या हल नहीं हुई है। हालत यह है कि उक्त कॉलोनियों के हर घर में बोरिंग है लेकिन गर्मी में बोरवेल सूख जाते हैं और रहवासियों को पानी के टैंकर मंगवाने पड़ते हैं।

उज्जैन की अगरबत्ती फैक्ट्री में भीषण आग, देर रात मची अफरा-तफरी, लाखों का सामान जलकर खाक

उज्जैन। उज्जैन के मक्सी रोड स्थित उद्योगपुरी इलाके में शुक्रवार तड़के अगरबत्ती बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते फैक्ट्री में रखा सामान जलने लगा।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है,

लेकिन घटना में लाखों रुपए के नुकसान की बात सामने आई है।

जानकारी के मुताबिक मक्सी रोड उद्योगपुरी स्थित अगरबत्ती निर्माण की एचपी ग्राइंडर फैक्ट्री में देर रात करीब डेढ़ बजे अचानक आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

फैक्ट्री संचालक ताहरी अली ने बताया कि देर रात आग लगने की सूचना मिली थी, जिसके बाद तुरंत दमकल विभाग को जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची चार दमकल गाड़ियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

अगरबत्ती बनाने का सामान जलकर खाक

आग की चपेट में आने से फैक्ट्री में रखा अगरबत्ती निर्माण का कच्चा माल और अन्य सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक घटना में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

गनीमत रही कि हादसे के समय फैक्ट्री में कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।फिलहाल पुलिस और फायर विभाग आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज

भोपाल में 17 वर्षीय छात्रा की आत्महत्या-एआई से अश्लील फोटो बनाकर ब्लैकमेल का आरोप, ऐशबाग थाने का घेराव

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी क्द्धश्चश्वड्डद्य के ऐशबाग इलाके में 11वीं कक्षा की 17 वर्षीय छात्रा द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और शुक्रवार को परिजनों ने आशोका गार्डन का घेराव कर आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की।

परिजनों का आरोप है कि दो युवक लंबे समय से छात्रा को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। उनका कहना है कि आरोपियों ने सोशल मीडिया से छात्रा की तस्वीरें लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (द्ब) तकनीक की मदद से फर्जी और आपत्तिजनक अश्लील फोटो तैयार किए और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया जा रहा था। लगातार धमकी और बदनामी के डर से छात्रा गहरे मानसिक तनाव में थी।

पुलिस के अनुसार, घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने बताया कि परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और उन्हीं के आधार पर आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से गंभीरता से जांच की जा रही है।

मध्यप्रदेश में 5420 प्रशिक्षु पटवारियों के लिए ऑनलाइन विभागीय परीक्षा अनिवार्य, सेवा स्थायीकरण की शर्त तय

भोपाल। मध्यप्रदेश में प्रशिक्षु पटवारियों की सेवा स्थायी करने और वेतन-भत्तों में वृद्धि का लाभ देने के लिए अब ऑनलाइन विभागीय परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। इस परीक्षा में राज्यभर के कुल 5420 प्रशिक्षु पटवारियों को शामिल होना होगा।

इस संबंध में मध्यप्रदेश भू-संसाधन प्रबंधन विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग के अनुसार, परीक्षा का आयोजन जल्द किया जाएगा और इसकी तारीख एमपी ऑनलाइन द्वारा तय की जाएगी, जिसके बाद सभी जिलों को अलग से सूचना भेजी जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्ष 2024 में यह परीक्षा 15 दिसंबर को प्रस्तावित थी, लेकिन कुछ कारणों से उस समय इसे आयोजित नहीं किया जा सका था। उस समय परीक्षा में 4786 प्रशिक्षु पटवारी शामिल होने थे, जबकि अब नई सूची के अनुसार यह संख्या बढ़कर 5420 हो गई है।

सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि यदि तैयार सूची में किसी प्रकार का संशोधन, विलोपन या नया नाम जोड़ना आवश्यक हो तो उसकी जानकारी विभाग को समय पर भेजी जाए। नए नाम जोड़ने के लिए कर्मचारी कोड और रोल नंबर जैसी आवश्यक जानकारी अनिवार्य रूप से देनी होगी।

बिजली खरीद समझौतों पर लगेगी लगाम- अब कैबिनेट की मंजूरी के बिना नहीं होंगे पावर परचेज एग्रीमेंट

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने बिजली खरीद समझौतों (Power Purchase Agreements) में लंबे समय से चल रही अनियमितताओं और मनमानी पर रोक लगाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब किसी भी बिजली उत्पादन कंपनी से होने वाला पावर परचेज एग्रीमेंट कैबिनेट की मंजूरी के बिना मान्य नहीं होगा।

प्रदेश में वर्ष 2003 के बाद बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने और आपूर्ति सुधारने के लिए कई निजी और सरकारी कंपनियों के साथ समझौते किए गए थे। इन समझौतों के चलते जहां बिजली संकट से काफी हद तक राहत मिली, वहीं कई ऐसे अनुबंध भी सामने आए, जो आर्थिक रूप से सरकार पर भारी पड़ते रहे और बाद में विवादों का कारण बने। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए सरकार ने निर्णय लिया है कि अब सभी नए बिजली खरीद समझौते पूरी तरह से समीक्षा और उच्च स्तर की मंजूरी प्रक्रिया से गुजरेंगे। इसके तहत किसी भी विभाग या बिजली कंपनी को स्वतंत्र रूप से बड़े वित्तीय प्रभाव वाले समझौते करने की अनुमति नहीं होगी।

अधिकारियों के अनुसार इस कदम का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना, वित्तीय जोखिम को कम करना और भविष्य में होने वाली अनावश्यक देनदारियों से बचना है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि बिजली की वास्तविक आवश्यकता, लागत और दीर्घकालिक प्रभाव का आकलन कैबिनेट स्तर पर किया जाए।

भोपाल से बंगाल-बांग्लादेश तक फैला नकली नोटों का जाल

एमबीबीएस डॉक्टर की गिरफ्तारी के बाद बड़ा खुलासा, बर्खास्त बीएसएफ जवान और अंतरराष्ट्रीय गिरोह के तार सामने आए

भोपाल। 500-500 रुपए के नकली नोटों के साथ पकड़े गए एक स्ब्ब्ब्र डॉक्टर से पूछताछ में ऐसा खुलासा हुआ है, जिसने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। जांच में सामने आया है कि राजधानी में सक्रिय नकली नोटों का नेटवर्क सीधे पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश से जुड़ा हुआ है। इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड शरीफ उल इस्लाम उर्फ शरीफ उल्ला बताया जा रहा है, जो सीमा पार से नकली भारतीय करेंसी भारत में खपाने का नेटवर्क चला रहा था।

मामले का खुलासा तब हुआ जब 7 मई को पुलिस ने डॉ. सैफुल इस्लाम को नकली 500-500 रुपए के नोटों के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने ऐसे कई राज उगले, जिनसे एक अंतरराष्ट्रीय फेक करेंसी सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ।

डॉक्टर सिर्फ मोहरा, असली सरगना बंगाल में

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार डॉ. सैफुल इस्लाम मूल रूप से पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले का रहने वाला है। जांच में सामने आया कि वह गिरोह का सिर्फ एक सदस्य था, जबकि असली नेटवर्क मुर्शिदाबाद और मालदा इलाके से संचालित किया जा रहा था।

पूछताछ में डॉक्टर ने बताया कि शरीफ उल्ला उसे नकली नोट उपलब्ध कराता था और भोपाल सहित दूसरे शहरों में इन्हें बाजार में चलाने के लिए भेजता था। शुरुआती जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि नकली नोट बांग्लादेश के रास्ते भारत में पहुंचाए जाते थे।

बर्खास्त क्चस्न जवान का नाम आया सामने

मामले में सबसे सनसनीखेज खुलासा शरीफ उल्ला के भाई समीर उल इस्लाम को लेकर हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया कि समीर पहले सीमा सुरक्षा बल यानी क्चस्न में तैनात था। वह कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में पोस्टेड रह चुका था।

जांच एजेंसियों के अनुसार समीर पर आरोप था कि उसने सीमा क्षेत्रों की संवेदनशील जानकारी तस्करों तक पहुंचाई और नकली नोटों की तस्करी में मदद की। इसी वजह से उसे क्चस्न सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था।

बताया जा रहा है कि वह सीमा पर निगरानी और गश्त से जुड़ी सूचनाएं गिरोह तक पहुंचाता था, जिनका इस्तेमाल बांग्लादेश से नकली नोटों की खेप भारत में भेजने के लिए किया जाता था।

पाकिस्तान कनेक्शन की भी आशंका

जांच में यह आशंका भी जताई जा रही है कि इस नेटवर्क के तार पाकिस्तान से जुड़े तस्करों और कट्टरपंथी तत्वों से भी हो सकते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक नकली भारतीय करेंसी को पहले बांग्लादेश पहुंचाया जाता था और वहां से सीमावर्ती इलाकों के जरिए भारत में खपाया जाता था।

पूरे मामले की जानकारी राज्य पुलिस मुख्यालय को भेज दी गई है, ताकि इसे केंद्र सरकार और अन्य एजेंसियों के साथ साझा किया जा सके।

2021 में भी पकड़ा गया था मास्टरमाइंड

पुलिस जांच में सामने आया कि शरीफ उल्ला पहले भी नकली नोटों के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। वर्ष 2021 में पश्चिम बंगाल स्ञ्जस्न ने उसे फेक करेंसी के साथ पकड़ा था। पूछताछ में उसी दौरान उसके भाई समीर उल इस्लाम की भूमिका भी उजागर हुई थी।

इसके बाद क्चस्न ने विभागीय कार्रवाई करते हुए समीर को सेवा से हटा दिया था। बावजूद इसके गिरोह ने अपना नेटवर्क जारी रखा और अलग-अलग राज्यों में नकली नोट खपाने का काम चलता रहा।

भोपाल पुलिस की टीम बंगाल पहुंची

कोहेफिजा थाना पुलिस के अनुसार गिरोह के मास्टरमाइंड शरीफ उल्ला की तलाश में पुलिस टीम पश्चिम बंगाल भी पहुंची थी। हालांकि आरोपी अपने ठिकाने से फरार मिला, लेकिन उसके नेटवर्क और सहयोगियों से जुड़ी अहम जानकारी पुलिस के हाथ लगी है।

पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ा अलर्ट

भोपाल में पकड़े गए नकली नोटों का यह मामला अब सिर्फ स्थानीय अपराध नहीं रह गया है। जांच में सामने आए अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि नकली करेंसी सिर्फ आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि देश की वित्तीय व्यवस्था को कमजोर करने की बड़ी साजिश भी हो सकती है।

जुमे की नमाज से पहले भोपाल हाई अलर्ट पर

पुराने शहर की मस्जिदों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात, युवक से मारपीट की घटना के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

भोपाल। जुमे की नमाज को लेकर शुक्रवार को पुलिस और प्रशासन पूरी तरह हाई अलर्ट पर नजर आया। पुराने शहर और संवेदनशील इलाकों में सुबह से ही अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया। प्रमुख मस्जिदों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति को रोका जा सके।

हाल ही में एक मुस्लिम युवक के साथ मारपीट और उसके चेहरे पर गोबर पोतने की घटना के बाद शहर का माहौल तनावपूर्ण हो गया था। इसी को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन सुरक्षा बढ़ा दी है।

मस्जिदों के बाहर कड़ी निगरानी

ताजुल मसाजिद, जामा मस्जिद, मोती मस्जिद और कुलसुम बिया मस्जिद समेत कई प्रमुख मस्जिदों के बाहर पुलिस की विशेष निगरानी रखी गई है।

इतवारा, पीरगेट और बुधवारा जैसे पुराने शहर के इलाकों में लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है। पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

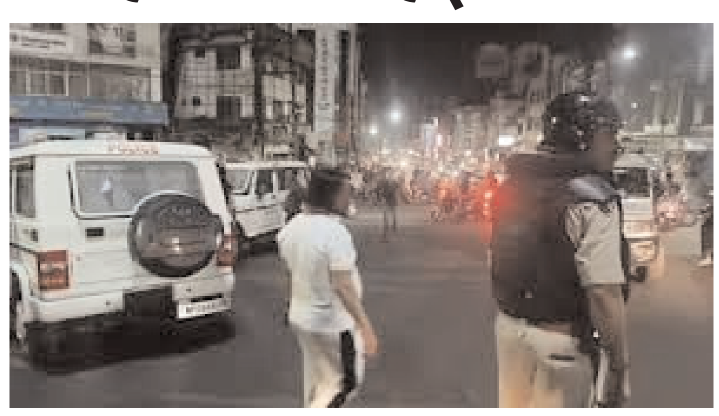

AIMIM ने दी थी प्रदर्शन की चेतावनी

घटना के बाद मोहसिन गौतम ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो जुमे के दिन बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

हालांकि पुलिस ने मामले में अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्रशासन का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और शहर में शांति बनाए रखने के लिए हर जरूरी कदम उठाया गया है।

पुलिस कमिश्नर की अपील

संजय कुमार ने लोगों से अफवाहों और भड़काऊ संदेशों से दूर रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

वहीं मुश्ताक अली नदवी ने भी वीडियो संदेश जारी कर लोगों से शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी के उकसावे में आकर माहौल खराब न करें।

होटल विवाद के बाद बढ़ा था तनाव

चार दिन पहले शहर के एक होटल में युवक-युवती के मिलने के मामले को लेकर कुछ हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने एक मुस्लिम युवक के साथ मारपीट की थी। घटना का वीडियो सोशल स्द्भस्त्रद्बड्ड पर वायरल होने के बाद मुस्लिम समाज में नाराजगी बढ़ गई थी।

इसके विरोध में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए थे और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। इसी घटनाक्रम के बाद प्रशासन ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है।

फिलहाल पुलिस और प्रशासन का पूरा फोकस जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने और शहर में सौहार्द बनाए रखने पर है।

गर्मी की छुट्टियों में रेलवे का बड़ा तोहफा

भोपाल और रानी कमलापति स्टेशन से होकर चलेंगी 3 समर स्पेशल ट्रेनें, दिल्ली-फरीदाबाद रूट के यात्रियों को राहत

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे ने गर्मी की छुट्टियों में बढ़ती यात्रियों की भीड़ को देखते हुए भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली तीन समर स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। इन ट्रेनों के चलने से भोपाल, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, इटारसी और आसपास के यात्रियों को दिल्ली, फरीदाबाद और गुजरात रूट पर अतिरिक्त यात्रा सुविधा मिलेगी।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक समर सीजन में लगातार बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों को राहत देने के लिए ये विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

उधना-निजामुद्दीन समर स्पेशल

गाड़ी संख्या 09121 उधना-निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन 22 मई 2026 को उधना से शाम 6 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन सुबह 7:20 बजे इटारसी और सुबह 9:15 बजे भोपाल पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन तीसरे दिन रात 12:15 बजे निजामुद्दीन पहुंचेगी।

वापसी में गाड़ी संख्या 09122 निजामुद्दीन-उधना स्पेशल 24 मई 2026 को रात 9:20 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन सुबह 11:30 बजे भोपाल और दोपहर 1:35 बजे इटारसी पहुंचेगी। इसके बाद मंगलवार रात 12:45 बजे उधना पहुंचेगी।

यह ट्रेन नवापुर, नंदुरबार, भुसावल, इटारसी, भोपाल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी और आगरा कैंट सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में कुल 22 कोच लगाए जाएंगे, जिनमें 18 स्लीपर और 2 सामान्य श्रेणी के डिब्बे शामिल रहेंगे।

रानी कमलापति स्टेशन से गुजरेंगी दो और स्पेशल ट्रेनें

रेलवे ने विशाखापट्टनम-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन और विशाखापट्टनम-फरीदाबाद स्पेशल ट्रेन के संचालन की भी घोषणा की है। ये दोनों ट्रेनें रानी कमलापति स्टेशन से होकर गुजरेंगी।

विशाखापट्टनम-निजामुद्दीन स्पेशल

ट्रेन संख्या 08513 विशाखापट्टनम-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल 21 मई को विशाखापट्टनम से रवाना होगी और 23 मई को निजामुद्दीन पहुंचेगी। रानी कमलापति स्टेशन पर यह रात 10:20 बजे पहुंचेगी और 10:25 बजे रवाना होगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 08514, 24 मई को निजामुद्दीन से चलेगी और 26 मई को विशाखापट्टनम पहुंचेगी। रानी कमलापति स्टेशन पर इसका समय दोपहर 2:10 बजे आगमन और 2:15 बजे प्रस्थान रहेगा।

फरीदाबाद के लिए भी विशेष ट्रेन

ट्रेन संख्या 08515 विशाखापट्टनम-फरीदाबाद विशेष ट्रेन 21 मई को विशाखापट्टनम से रवाना होकर 23 मई को फरीदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन पर दोपहर 3:45 बजे पहुंचेगी और 3:50 बजे रवाना होगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 08516 फरीदाबाद-विशाखापट्टनम विशेष ट्रेन 25 मई को फरीदाबाद से रवाना होकर 27 मई को विशाखापट्टनम पहुंचेगी। रानी कमलापति स्टेशन पर इसका समय दोपहर 3:05 बजे आगमन और 3:10 बजे प्रस्थान रहेगा।

भोपाल में ट्विशा सुसाइड केस ने पकड़ा तूल

रिटायर्ड जज गिरीबाला सिंह और बेटे समर्थ सिंह पर हत्या-दहेज प्रताड़ना का केस, गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दबिश

भोपाल। राजधानी भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा सुसाइड मामले में आखिरकार पुलिस ने बड़ा कदम उठाते हुए रिटायर्ड जिला जज गिरीबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। कटारा हिल्स इलाके में हुई इस घटना ने पूरे शहर को झकझोर दिया है। मायके पक्ष लगातार इसे आत्महत्या नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या बता रहा था। अब पुलिस ने हत्या, दहेज प्रताड़ना और सबूत मिटाने जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

एसीपी रजनीश कश्यप कौल ने पुष्टि की है कि ट्विशा के पति समर्थ सिंह और उसकी मां गिरीबाला सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस की दो विशेष टीमें दोनों आरोपियों की तलाश में उनके घर और अन्य संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। फिलहाल दोनों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

यह मामला 12 मई की रात सामने आया था, जब कटारा हिल्स स्थित घर में 31 वर्षीय ट्विशा शर्मा का शव फंदे पर लटका मिला। शुरुआती तौर पर इसे आत्महत्या बताया गया, लेकिन मृतका के मायके पक्ष ने शुरू से ही ससुरालवालों पर गंभीर आरोप लगाए। परिजनों का कहना है कि ट्विशा को शादी के बाद से लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था।

परिवार ने दावा किया कि शव के हाथ और कान के पास नीले निशान मिले हैं, जो मारपीट की ओर इशारा करते हैं। इसी आधार पर उन्होंने इसे हत्या कर आत्महत्या दिखाने की साजिश बताया। ट्विशा मूल रूप से नोएडा की रहने वाली थी और उसकी शादी करीब एक साल पहले भोपाल निवासी समर्थ सिंह से हुई थी।

भोपाल में 'लव जिहाद' विवाद पर बड़ा एक्शन

हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष पर FIR, 11 गिरफ्तार; शहर में हाई अलर्ट, सोशल मीडिया पर भी पुलिस की नजर

भोपाल। राजधानी भोपाल में कथित 'लव जिहाद' मामले को लेकर शुरू हुआ विवाद अब बड़ा कानून-व्यवस्था मुद्दा बन गया है। मुस्लिम युवक के साथ मारपीट, वीडियो वायरल होने, फिर विरोध प्रदर्शन और भड़काऊ बयानों के बाद पुलिस ने अब सख्त कार्रवाई करते हुए हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कर ली है। इस पूरे मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि 100 से अधिक लोगों को आरोपी बनाया गया है। शहर के संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

घटना 10 मई की रात गोविंदपुरा थाना क्षेत्र के गौतम नगर कॉलोनी स्थित एक होटल की है। यहां एक मुस्लिम युवक को एक हिंदू युवती के साथ होने के आरोप में कुछ लोगों ने पकड़ लिया था। इसके बाद युवक के साथ मारपीट की गई, उसका वीडियो बनाया गया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। वीडियो सामने आने के बाद शहर का माहौल तेजी से गरमा गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि मारपीट और हंगामे में बजरंग दल से जुड़े कुछ कार्यकर्ता भी शामिल थे। गोविंदपुरा पुलिस ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद मामला सिर्फ मारपीट तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धार्मिक और राजनीतिक रंग लेने लगा।

इसी बीच हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी का एक बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पुलिस का आरोप है कि इस बयान में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिससे धार्मिक वैमनस्य फैल सकता था और शहर की शांति व्यवस्था बिगड़ने की आशंका पैदा हो गई। इसके बाद टीटी नगर थाने में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक शहर में पहले से धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू है। इसके बावजूद भीड़ जुटाना, प्रदर्शन करना और ऐसे बयान देना जो माहौल खराब करें, कानून का उल्लंघन माना गया है। हालांकि अभी तक चंद्रशेखर तिवारी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन पुलिस उनकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।

दूसरी तरफ इस घटना के विरोध में मंगलवार रात पुराने भोपाल के इकबाल मैदान और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की। बिना अनुमति भीड़ जमा होने और नारेबाजी के बाद पुलिस ने 100 से अधिक अज्ञात लोगों पर भी केस दर्ज किया है। इस मामले में भी सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पूरे घटनाक्रम के बाद शुक्रवार के जुमे की नमाज को लेकर भोपाल पुलिस हाई अलर्ट पर आ गई। पुराने शहर के संवेदनशील इलाकों — इतवारा, पीरगेट, बुधवारा और चौक बाजार — में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। ताजुल मसाजिद, जामा मस्जिद, मोती मस्जिद और कुलसुम बिया मस्जिद के बाहर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई।

मंडी बोर्ड ने बंद की फिजिकल बैठकें, अब पूरी कार्यवाही होगी ऑनलाइन; ईंधन बचत के लिए दौरों पर भी रोक

भोपाल। मध्य प्रदेश में बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल संकट और संसाधनों की बचत को लेकर अब सरकारी विभाग भी सख्त कदम उठाने लगे हैं। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड यानी मंडी बोर्ड ने बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अपनी सभी बैठकों और विभागीय कार्यवाहियों को ऑनलाइन मोड में संचालित करने का आदेश जारी कर दिया है। इसके साथ ही मंडी बोर्ड प्रदेश का पहला ऐसा सरकारी विभाग बन गया है, जिसने बड़े पैमाने पर फिजिकल बैठकों को बंद कर डिजिटल व्यवस्था लागू की है।

मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम ने सभी मंडियों, आंचलिक कार्यालयों और विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए साफ कहा है कि अब भोपाल स्थित मुख्यालय में होने वाली बैठकों में अधिकारियों को शारीरिक रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी। सभी बैठकें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की जाएंगी।

बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल और डीजल संकट गहराने तथा ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के बाद यह फैसला लिया गया है। सरकार का मानना है कि अधिकारियों और कर्मचारियों के लगातार यात्रा करने से भारी मात्रा में ईंधन खर्च हो रहा था, जिसे अब डिजिटल व्यवस्था के जरिए कम किया जाएगा।

इस फैसले को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील से भी जोड़ा जा रहा है, जिसमें उन्होंने सार्वजनिक परिवहन के अधिक उपयोग और अनावश्यक यात्रा कम करने की बात कही थी। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी हाल ही में अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम करने का निर्देश दे चुके हैं। अब उसी दिशा में मंडी बोर्ड ने यह कदम उठाया है। सबसे अहम बात यह है कि अब विभागीय जांच, शिकायतों की सुनवाई और अन्य प्रशासनिक मामलों में भी अधिकारियों-कर्मचारियों को भोपाल नहीं बुलाया जाएगा। सभी पेशियां और सुनवाई ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कराई जाएंगी। इससे दूर-दराज जिलों से भोपाल आने-जाने में लगने वाला समय और खर्च दोनों बचेंगे।

प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम ने कहा कि प्रदेश के कई जिलों से अधिकारियों को छोटी-छोटी बैठकों और पेशियों के लिए भोपाल आना पड़ता था, जिससे समय और सरकारी संसाधनों की बड़ी बर्बादी होती थी। अब ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने से कामकाज तेज होगा और ईंधन की भी बचत होगी।

संपादकीय

केरल के मुख्यमंत्री का चयन 10 दिन में

1 अनार, 100 बीमार वाली पार्टी कांग्रेस

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद सबसे अधिक चर्चा जिस मुद्दे को लेकर हुई, वह केवल जीत-हार तक सीमित नहीं रही, बल्कि कांग्रेस संगठन की कार्यप्रणाली और नेतृत्व क्षमता भी बहस के केंद्र में आ गई। विशेष रूप से केरल में कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को स्पष्ट बहुमत मिलने के बावजूद मुख्यमंत्री के चयन में दस दिन का समय लगना राजनीतिक हलकों में चर्चा और आलोचना का विषय बन गया। गौरतलब है कि 4 मई को चुनाव परिणाम घोषित किए गए थे और कांग्रेस के पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या थी। बावजूद इसके पार्टी मुख्यमंत्री के नाम पर जल्दी निर्णय नहीं ले सकी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को विधायक दल के नेता के चयन का अधिकार पहले ही दे दिया गया था। उन्होंने विधायकों और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा भी की, लेकिन आम सहमति नहीं बन सकी। अंततः पार्टी को जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, दीपा दासमुंसी और अजय माखन जैसे वरिष्ठ नेताओं को केरल भेजना पड़ा। दो दिन की मशक्कत के बाद वीडी सतीशन के नाम पर सहमति बनी और उनके मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हुआ। यह स्थिति उस पार्टी के लिए निश्चित रूप से चिंताजनक मानी जाएगी, जो कभी देश की सबसे मजबूत राजनीतिक शक्ति थी। केरल जैसे राज्य, जहां कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का सीधा राजनीतिक जुड़ाव रहा है, वहां भी नेतृत्व चयन को लेकर इतना लंबा गतिरोध कांग्रेस की आंतरिक स्थिति को उजागर करता है। विडंबना यह रही कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और यूडीएफ के कई सहयोगी दल पहले ही वीडी सतीशन के समर्थन में खुलकर सामने आ चुके थे। सतीशन लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय रहे हैं और उन्हें जमीनी नेता माना जाता है। इसके बावजूद कांग्रेस के भीतर शक्ति संतुलन और गुटबाजी इतनी मजबूत रही कि निर्णय लेने में पार्टी नेतृत्व को अत्यधिक समय लग गया। दरअसल, कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत ही आज उसकी कमजोरी बनती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर लोकतांत्रिक माहौल होने के कारण हर नेता अपनी बात खुलकर रखने और अपने हित साधने की कोशिश करता है। यदि उसकी बात नहीं मानी जाती तो कई बार वह पार्टी छोड़कर क्षेत्रीय दल बना लेता है या भाजपा में शामिल हो जाता है। कांग्रेस के केंद्र में सत्ता से बाहर होने के बाद यह प्रवृत्ति और तेज हुई है। आज कांग्रेस जिन राज्यों में मजबूत दिखाई देती है, वहां भी आंतरिक खींचतान उसके लिए चुनौती बनी हुई है। कर्नाटक इसका बड़ा उदाहरण है, जहां सरकार बनने के बाद भी मुख्यमंत्री पद को लेकर समय-समय पर विवाद सामने आते रहते हैं। कांग्रेस का बड़ा समय विपक्ष से लड़ने के बजाय अपने ही नेताओं के बीच संतुलन बनाने में निकल जाता है। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी ने पिछले एक दशक में अपने संगठन को अधिक केंद्रीकृत और अनुशासित बनाया है। हालांकि भाजपा की राजनीतिक ताकत का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस से आए नेताओं पर भी टिका है। कई राज्यों में भाजपा ने कांग्रेस के प्रभावशाली नेताओं को अपने साथ जोड़कर सरकारें बनाई हैं। यह तथ्य कांग्रेस और भाजपा दोनों भलीभांति जानते हैं। यह भी सच है कि कांग्रेस आज भी देशभर में एक व्यापक जनाधार रखने वाली पार्टी है। केंद्र में रहते हुए भी भाजपा प्रत्येक राज्य में वैसी सामाजिक स्वीकार्यता नहीं बना सकी है जैसी कांग्रेस के पास दशकों से रही है। लेकिन कांग्रेस के भीतर निजी महत्वाकांक्षाएं और गुटीय संघर्ष उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गई है। कांग्रेस नेताओं का यह तर्क भी पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता कि केंद्र में सत्ता संतुलन भाजपा के पक्ष में होने से कांग्रेस पर लगातार दबाव बना रहता है। जांच एजेंसियों, राजनीतिक अभियानों और संसाधनों की असमानता के बीच कांग्रेस को अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। बहरहाल इन तमाम परिस्थितियों के बावजूद यदि पार्टी आंतरिक एकजुटता नहीं दिखा पाएगी, तो उसकी चुनौतियां और बढ़ेंगी। केरल में आखिरकार वीडी सतीशन के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। इसे देर आयद दुरुस्त आयद की स्थिति कहा जा सकता है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने यह जरूर स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस की सबसे बड़ी लड़ाई फिलहाल भाजपा से कम और अपने भीतर की राजनीति से अधिक है। यदि पार्टी समय रहते संगठनात्मक अनुशासन और नेतृत्व में स्पष्टता नहीं ला पाई, तो उसकी आंतरिक कलह ही भविष्य में उसके राजनीतिक संकट को और गहरा कर सकती है।

– सनत जैन

राज काज

बंगाल चुनाव याचिकाओं पर तारीख पर तारीख ?

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव परिणाम आ गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस्तीफा नहीं दिया है। वह चुनाव परिणाम को स्वीकार नहीं कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर के मामले में सुनवाई के दौरान बहुत सारी बातें सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने की थी। अब टीएमसी की ओर से सुप्रीम कोर्ट की ओर से वही बातें कही जा रही हैं। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट उनसे कह रही है। नई याचिकाएं लगाएं।एक बार फिर तारीख पर तारीख का खेल शुरू हो गया है। जिस पार्टी की जीत हुई है।उसका मुख्यमंत्री बन गया है। शपथ भी ले ली है। अब तारीख पर तारीख का खेल चलता रहेगा। एसआईआर का मामला भी सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। संवैधानिक है या नही, सुप्रीम कोर्ट अभी तक चुप है। इसी को कहते हैं जो जीता वही सिकंदर,जीत कैसी भी हो जीत आखिर जीत ही होती है। भाग्य के सामने सभी बेबस हैं।

शेयर बाजार धड़ाम धणाम धणाम

कहते हैं जब मुसीबत आती है। छप्पर फाड़कर आती है। शेयर बाजार में लगातार गिरावट हो रही है। विदेशी निवेशक शेयर बाजार से निवेश निकाल कर भाग रहे हैं। भारत को जब सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा की जरूरत है।उस समय शेयर बाजार में कोहराम मचा हुआ है। सोमवार और मंगलवार को भारी गिरावट शेयर बाजार में देखने को मिली एक ही झटके में लाखों करोड़ का नुकसान देसी निवेशकों हो गया। कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं। रसोई गैस और कच्चे तेल का आयात रुका हुआ है। अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा भंडार की हालत खराब है। जिस शेयर बाजार पर सरकार को बड़ा भरोसा था, वही धड़ाम धड़ाम हो रहा है। अब तो बैंकों की चिंता सताने लगी है। लोग बैंकों से पैसा निकालने लगे हैं। सबका मालिक भगवान है।

सत्ता और जनता का अपना-अपना भाग्य

सत्ता में बैठे हुए लोगों का अपना भाग्य है। पिछले जन्म में जिन्होंने बहुत पुण्य किया होगा। इस बार वह सत्ता में बैठकर सत्ता के सुख भोग रहे हैं। जनता ने पाप किए होंगे, तब उन्हें कोरोना महामारी, रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल, खाद, महंगाई, बेरोजगारी का दंड भोगना पड़ रहा है। सनातन धर्म में कहा गया है। मनुष्य जीवन में कर्म फल भोगने पड़ते हैं।जिसके जैसे कर्म, उसी हिसाब भाग्य फल भोगने का समय है। 16 मई से शनि महाराज न्याय करने दिशा बदल रहे हैं।रही सही कसर आने वाले दिनों में आम जनता और सत्ता में बैठे हुए लोगों को भोगनी पड़ेगी। ऐसा ज्योतिषी कह रहे हैं। जनता के भाग्य से राजा बनता है, राजा के भाग्य से जनता को सुख-दुख मिलते हैं यही कर्म का सत्य है। राजा तुम्हारे भाग्य से थोड़ी ना लड़ सकता है।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर विशेष

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और 'मैं' का अहंकार 'हम' की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है। आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे 'अहिंसा की प्रयोगशाला' बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं।

पेपर लीक : लचर न्याय प्रक्रिया के साइड इफेक्ट

डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

एक बार फिर नीट यूजी परीक्षा रद्द कर दी गई। पिछले दस सालों में यह चौथा मौका है जब देश की सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक नीट यूजी में पेपर लीक होने की घटना हुई है। नीट के अलावा पिछले दस सालों में लगभग सौ प्रतियोगी परीक्षाएं रद्द की गई हैं। विश्वगुरु होने का दावा करने वाले देश के लिये यह बेहद शर्मनाक घटना है। प्रतियोगी परीक्षा के पीछे केवल परीक्षार्थियों की मेहनत और महत्वाकांक्षा ही ध्वस्त नहीं होती, उनके परिवार के सपने भी टूटते हैं और सारा त्याग और सम्बल व्यर्थ हो जाता है। साथ ही देश के संसाधनों की बरबादी होती है और छात्रों का बहुमूल्य समय नष्ट होता है। उन्नत टेक्नोलॉजी के दौर में देश एक सुरक्षित और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली विकसित नहीं कर पाता तो यह सिस्टम की घोर असफलता है। समय और संसाधनों की बरबादी के अलावा ऐसी घटनाओं से देश की प्रतिष्ठा हानि भी होती है।

सवाल यह है कि ऐसा होता क्यों है? इसके पीछे कई फैक्टर हैं जैसे छात्रों और उससे ज्यादा उनके परिवारों की महत्वाकांक्षा, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, कोचिंग संस्थानों का रैकेट और काला धन। दरअसल पढ़ाई या नौकरी से संबंधित कोई भी प्रतियोगी परीक्षा शिक्षा व्यवस्था के दलालों और कोचिंग रैकेट के सरगनाओं के लिए एक कमाई का मौका बन जाती है। पेपर लीक तो सिर्फ पहली सीढ़ी है, उसके बाद मूल्यांकन में गड़बड़ी, मेरिट लिस्ट में हेराफेरी, अलॉटमेंट में जुगाड़ वगैरह सब पर शिक्षा माफिया का कंट्रोल होता है। अगर कहीं चूक हो जाए तो शोर मच जाता है वरना ये सब घोटाला बदस्तूर चलता रहता है। लेकिन सबसे बड़ा फैक्टर है; हमारी लचर न्याय प्रक्रिया ! समाज के हर क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराध वास्तव में कमजोर न्याय प्रक्रिया का साइड इफेक्ट है। मसलन बीसियों बार पेपर लीक हो चुके हैं अथवा नियुक्ति प्रक्रिया रद्द की गई है मगर हमारी सरकारें कुछ सीखती ही नहीं। लोगों को वर्ष 2013 में मध्यप्रदेश का बहुचर्चित और बदनाम व्यापम घोटाला जरूर याद होगा जिसमें अनेक अपात्रों को मेडीकल कॉलेजों में दाखिला और कई अन्य विभागों में नौकरी दिलाई गई थी। मगर यह किसी को याद नहीं होगा कि पुलिस की चार्ज शीट में लगभग 3000 लोगों के नाम होने के बाद बमुश्किल 100 लोगों को सजा हुई। वह भी लम्बी ट्रायल, जमानत और अपील वगैरह के बाद। ऐसा अमूमन हर घोटाले के साथ होता है। पकड़े जाने पर मीडिया में शोरगुल, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन, जाँच और फिर कानूनी प्रक्रिया का लम्बा दौर। कई बार तो आरोप पत्र ही सालों बाद कोर्ट में पेश होता है। इस लेट लतीफी का लाभ लेकर जमानत पर छूटे चतुर अपराधी सबूतों और गवाहों की भूल भुलैया में केस उलझा देते हैं। आखिर में कुछ लोगों को दण्डित कर मामला खत्म कर दिया जाता है। इस सारी प्रक्रिया में सिस्टम से जुड़े उच्चाधिकारी साफ बच निकलते हैं क्योंकि उनके अलिखित आदेशों का कोई रिकॉर्ड ही नहीं होता। ये तमाशा केवल पेपर लीक और परीक्षाओं के मैनेज करने तक नहीं बल्कि हर तरह के भ्रष्टाचार में दिखाई देता है। ईडी, इन्कम टैक्स, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जीएसटी वगैरह किसी भी एजेंसी का मामला हो आखिर में अंजाम लगभग यही होता है।

सुविचार

बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है।

– राल्फ वाल्डो एमर्सन

आप आराम की जिंदगी जीना चाहते हैं तो कुछ परेशानी तो उठानी ही पड़ेगी।

– एबिगैल वैन ब्यूरेन

प्रसंग

अभ्यास का फल

गुरु द्रोणाचार्य कौरवों और पांडवों को अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा देते थे। उन राजकुमारों के साथ उनका बेटा अश्वत्थामा भी शिक्षा ले रहा था। वह चाहते थे कि उनका बेटा अस्त्र-शस्त्र की विद्या में सभी राजकुमारों से आगे रहे। लेकिन अर्जुन के सामने वह बहुत पीछे छूट रहा था। द्रोण ने कई तरकीबें निकालीं। कोई न कोई बहाना बना कर वह राजकुमारों को कुछ समय के लिए बाहर भेज देते और अकेले में अश्वत्थामा को नई विद्या सिखाते थे। फिर भी वह पीछे रह जाता। अर्जुन आचार्य की चालाकी समझ रहा था, लेकिन कुछ कह नहीं पा रहा था।

एक दिन रात को अर्जुन भोजन कर रहा था कि हवा का झोंका आया और दीया बुझ गया। उसे अंधेरे में ही भोजन करना पड़ा। तब उसका ध्यान इस बात पर गया कि अंधेरे में हाथ हर बार थाली में अन्न पर ही पड़ता था और कौर भी मुंह के भीतर ही जाता था। ऐसा हमारे अभ्यास के कारण होता है। मतलब यह कि अभ्यास से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। दूसरे दिन से अर्जुन ने रात के अंधेरे में चुपचाप बाण चलाने का अभ्यास शुरू कर दिया। एक रात धनुष की टंकार सुन द्रोण की आंख खुल गई तो उन्होंने अर्जुन को अभ्यास करते देख लिया। उसके दृढ़ निश्चय को देख कर द्रोण समझ गए कि अश्वत्थामा अर्जुन की बराबरी कभी नहीं कर पाएगा। अपने को पीछे छूटता देख कर एक बार अश्वत्थामा ने द्रोण से कहा, 'पिताजी, हमसे ज्यादा आप अर्जुन को चाहते हैं।'

जरा हटके

अंतरिक्ष में जमा पुराने सैटेलाइट और मलबा धरती के लिए नई चुनौती

वॉशिंगटन । सूरज की बढ़ती सक्रियता अंतरिक्ष में मौजूद पुराने कचरे को तेजी से पृथ्वी की ओर धकेल रही है। अंतरिक्ष में वर्षों से जमा पुराने सैटेलाइट और मलबा अब धरती के लिए नई चुनौती बनते जा रहे हैं। इसरो के वैज्ञानिकों ने अपनी हालिया रिसर्च में खुलासा किया है कि जब सूरज अपने 11 वर्षीय सौर चक्र के चरम पर पहुंचता है, तब लो अर्थ ऑर्बिट में मौजूद निष्क्रिय सैटेलाइट और मलबे के टुकड़े तेजी से अपनी ऊंचाई खोने लगते हैं।

यह पहली बार है जब सौर गतिविधि और अंतरिक्ष मलबे के धरती की ओर लौटने की गति के बीच सीधा संबंध सामने आया है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र और इसरो की स्पेस फिजिक्स लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में पाया कि सूरज की बढ़ती ऊर्जा पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल पर गहरा असर डालती है। जब सौर गतिविधि अपने अधिकतम स्तर के करीब पहुंचती है, तो पृथ्वी के ऊपरी हिस्से यानी थर्मोस्फीयर का तापमान बढ़ जाता है। सूरज से निकलने वाली अल्ट्रावॉयलेट किरणें और चार्ज्ड कण इस परत को गर्म कर देते हैं, जिससे यह फैलने लगती है और उसका घनत्व बढ़ जाता है। इस बढ़े हुए घनत्व का सीधा असर लो अर्थ ऑर्बिट में मौजूद सैटेलाइट और अंतरिक्ष मलबे पर पड़ता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक जब ये वस्तुएं घनी वायुमंडलीय परत से गुजरती हैं, तो उन पर हवा का अवरोध यानी ड्रैग बढ़ जाता है। इससे उनकी रफ्तार धीमी होने लगती है और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण उन्हें तेजी से नीचे खींचने लगता है। सक्रिय सैटेलाइट तो अपने ईंधन की मदद से दोबारा ऊंचाई हासिल कर लेते हैं, लेकिन निष्क्रिय सैटेलाइट और पुराना मलबा धीरे-धीरे धरती की ओर गिरने लगता है।

इस रिसर्च की मुख्य लेखिका आयशा एम अशरफ ने बताया कि सौर गतिविधि एक खास स्तर पार करते ही सैटेलाइट्स की ऊंचाई कम होने की प्रक्रिया अचानक तेज हो जाती है। यह स्थिति खासतौर पर उन पुराने सैटेलाइट्स के लिए खतरनाक है जिन्हें अब नियंत्रित नहीं किया जा सकता। अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों ने 1960 के दशक में छोड़े गए अंतरिक्ष मलबे के 17 टुकड़ों का विश्लेषण किया। इनकी निगरानी पिछले 36 वर्षों से की जा रही थी। ये टुकड़े 600 से 800 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे थे।

फोटो ऑफ द डे

यूक्रेन की राजधानी कीव में रुसी मिसाइल हमले के बाद एक रहवासी इमारत में लगी आग के बाद हालातों का जायजा लेते हुए लोग।

व्यंग्य

हाय रे! प्रेम में बकरा होते पति

डॉ. अशोक गौतम

हे समाज में आजतक अपना जैसे कैसे वर्चस्व बनाए रखने वाले पतियो ! लगता है, आज हम सब पर विपदा नहीं, घोर विपदा आन पड़ी है। पर हम चाहकर भी कुछ नहीं कर सकते। लगता है विपदा की इन घोर घड़ियों में प्रभु भी हमारे साथ नहीं।

बंधुओ ! पता नहीं, आप अपनी बीवी से डर रहे होंगे कि नहीं, पर मैं कल तक बीवी के सिर चढ़ा रहने वाला आजकल अपनी बीवी से बहुत डरा हुआ हूँ। इतना डरा हुआ हूँ कि आजकल मुझे घर के फूलदान फूल भी चाकू छुरियों से पैने लग रहे हैं।

आजकल सोता तो कौन मुआ है, पर फिर भी रात को तो रात को, मुझे दिन को भी बुरे-बुरे सपने आते रहते हैं। खुली आँखों के ही। मेरा पुरुषत्व आजकल पानी में चला गया है भैंस की तरह। आजकल घर में आठ पहर चौबीस घंटे बहुत डरा सहमा सा रहता हूँ, यह सोचता हुआ कि पता नहीं कल का सूरज देख भी पाऊँगा या नहीं?

कई बार तो अब सोए-सोए तो छोड़िए, जागे-जागे भी लगता है ज्यों जबसे मैंने विवाह किया है तबसे मुझ पाँच ग्राम खून वाले की बीवी मेरे खून की प्यासी होकर चार स्कूल कॉलेज जाने वाले बच्चों की माँ होने के बाद भी अपने ताज़े-ताज़े प्रेमी के चक्कर में पड़ अपनी चुनरी से ज्यों पति धर्म निभाते-निभाते मेरा गला घोंट रही हो। और उसके ताज़े-ताज़े प्रेमी ने मेरे हाथ पकड़ रखे हों। ये वैवाहिक प्रेम भी क्या सच्ची को इतना अंधा होता है कि उसमें अपना जन्म-जन्म का पति भी प्रेमी के आगे बलि का बकरा लगता है? कई बार तो अब सोए-सोए तो छोड़िए, जागे-जागे भी लगता है ज्यों मेरी जन्म-जन्म की बीवी मेरे ख़ून की प्यासी होकर चार स्कूल कॉलेज जाने वाले बच्चों की माँ होने के बाद भी अपने प्रेमी के चक्कर में पड़ मुझे अपने हाथों से मुस्कुराते पति धर्म निभाते-निभाते हुए दिसंबर महीने में भी कोल्ड ड्रिंक में ज़हर मिला पिला रही हो। और उसका ताज़ा-ताज़ा प्रेमी ज़हर की शीशी पकड़े मेरे सामने मुस्कुरा रहा हो। ये वैवाहिक प्रेम भी क्या सच्ची को इतना अंधा होता है कि उसमें अपना जन्म-जन्म का पति भी प्रेमी के आगे बलि का बकरा लगता है?

कई बार तो अब सोए-सोए तो छोड़िए, जागे-जागे भी लगता है ज्यों मेरी जन्म-जन्म की बीवी मेरे ख़ून की प्यासी होकर चार स्कूल कॉलेज जाने वाले बच्चों की माँ होने के बाद भी अपने ताज़े-ताज़े प्रेमी के चक्कर में पड़ पति धर्म निभाते-निभाते मुझे अपने हाथों से अपने प्रेमी के साथ मिलकर मेरे टुकड़े-टुकड़े कर फ़्रिज में रख रही हो दूध, दही की तरह। मानो तब मैं उसके लिए उसका पति न होकर एक मुर्ग़ा होऊँ। कई बार तो अब सोए-सोए तो छोड़िए, जागे-जागे भी लगता है ज्यों मेरी जन्म-जन्म की बीवी मेरे ख़ून की प्यासी होकर चार स्कूल कॉलेज जाने वाले बच्चों की माँ होने के बाद भी अपने ताज़े-ताज़े प्रेमी के चक्कर में पड़ पति धर्म निभाते-निभाते मुझे हनीमून पर जाने को उकसा रही हो। जबकि सच कहूँ तो आजकल मैं उसके साथ सुबह की सैर करने जाने से भी डर रहा हूँ। क्योंकि कहीं ऐसा न हो कि आज की सैर मेरी अंतिम सैर हो। और उसका ताज़ा-ताज़ा प्रेमी मुस्कुराते हुए मेरे आगे-पीछे, आजू-बाजू चल रहा हो।

साभार...

चिंतन-मनन

दूसरे की गलती

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले, अब तुम चारों इस पाठ का बार-बार अध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुम में से कोई बोले नहीं। थोड़ी देर बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा। यह कहकर श्यामानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य अलग-अलग बैठकर पाठ का अध्ययन करने लगे।

अचानक बादल घिर आए और वर्षा की संभावना बन गई। यह देखकर एक शिष्य बोला, लगता है, तेज बारिश होगी। यह सुनकर दूसरे ने कहा, तु?हें बोलना नहीं चाहिए था। तभी तीसरा बोला, तुम लोगों ने बोलकर गुरुजी की आज्ञा भंग कर दी है। चौथा शिष्य चुपचाप पाठ पढ़ता रहा। इसी बीच श्यामानंद वहां आ गए। उन्हें देखकर पहला शिष्य बोला, गुरुजी, यह मौन नहीं रहा और बोलने लगा। दूसरा शिष्य बोल पड़ा, तो तुम कौन सा मौन थे। तुम भी तो बोल पड़े थे। तीसरे ने कहा, इन दोनों ने बोलकर आपकी आज्ञा भंग कर दी है। यह सुनकर दोनों तपाक से बोले, तुम भी तो बोल ही पड़े थे। मगर चौथा शिष्य अभी भी चुप था। उसे देखकर गुरुजी बोले, तुम में से केवल इसने ही मेरी आज्ञा मानी। यह निश्चय ही आगे चलकर बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य करेगा क्योंकि इसके भीतर पर्याप्त धैर्य और एकाग्रता है। यह किसी के बहकावे में नहीं आता न ही किसी क्षणिक हलचल से विचलित होता है। तुम तीनों के भविष्य को लेकर मुझे शंका है क्योंकि तुम तीनों एक दूसरे का दोष निकालने के कारण स्वयं भी गलती कर बैठे। अधिकतर लोग ऐसा ही करते हैं। वे दूसरे को उसकी गलती बताने के चक्कर में स्वयं भी गलती कर बैठते हैं और फिर स्वयं कब गलत मार्ग पर चलने लगते हैं, इसका उन्हें आभास तक नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्यों का सिर शर्म से झुक गया।

स्वास्थ्य

भुजंगासन कमर, पीठ और कंधों को मजबूत बनाने में लाभकारी

नई दिल्ली । हाल ही में आयुष मंत्रालय ने भुजंगासन को लेकर जरूरी सुझाव दिए हैं और बताया है कि यह आसन कमर, पीठ और कंधों को मजबूत बनाने में बेहद लाभकारी है। साथ ही गलत तरीके से करने पर यह शरीर को नुकसान भी पहुंचा सकता है।

भुजंगासन को कोबरा पोज भी कहा जाता है, क्योंकि इस मुद्रा में शरीर का ऊपरी हिस्सा सांप के फन की तरह ऊपर उठता है, जबकि निचला हिस्सा जमीन से जुड़ा रहता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार कई लोग इस आसन को करते समय छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलतियां कर देते हैं, जिससे कमर, गर्दन और कंधों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक भुजंगासन करते समय कोहनियों को बाहर फैलाना, कंधों को कानों की तरफ चढ़ा लेना, कमर को जरूरत से ज्यादा मोड़ना, नितंबों को अत्यधिक कसना और एड़ियों को बाहर की ओर फैलाना आम गलतियां हैं। ऐसी स्थिति में मांसपेशियों पर गलत दबाव पड़ता है और चोट लगने या पुरानी समस्या बढ़ने का खतरा पैदा हो सकता है। आयुष मंत्रालय ने भुजंगासन करने का सही तरीका भी बताया है। इसके लिए सबसे पहले पेट के बल सीधा लेटना चाहिए। पैरों को पीछे की ओर सीधा रखें और हथेलियों को छाती के दोनों तरफ जमीन पर टिकाएं। इसके बाद सांस अंदर लेते हुए धीरे-धीरे सिर, गर्दन और छाती को ऊपर उठाना चाहिए।

चीन से दोस्ती के बीच क्यूबा में अमेरिका की बड़ी घेराबंदी

वॉशिंगटन। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात कर अच्छे संबंधों का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने चीन, रूस और ईरान के रणनीतिक गढ़ माने जाने वाले क्यूबा की घेराबंदी तेज कर दी है। ट्रंप की इस कूटनीति के बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ ने अचानक क्यूबा का दौरा किया।

रैटक्लिफ ने क्यूबा के गृह मंत्री लाजारो अल्वारेज कासास और पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के पोते सहित शीर्ष अधिकारियों से सीधी बातचीत की। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का कड़ा संदेश दिया कि अमेरिका आर्थिक सहयोग के लिए तैयार है, बशर्ते क्यूबा को अपनी नीतियों में बुनियादी बदलाव करने होंगे। अमेरिका क्यूबा से लोकतंत्र की बहाली, राजनीतिक कैदियों की रिहाई, सरकारी उद्योगों के निजीकरण और चीन-रूस के सैन्य अड्डों को बंद करने की मांग कर रहा है।

गंभीर ईंधन संकट और रोजाना 20-22 घंटे की बिजली कटौती से जूझ रहे क्यूबा के पास अब विकल्प सीमित हैं। अमेरिका ने उसे वेनेजुएला जैसा सैन्य एक्शन लेने की सख्त चेतावनी दी है। यही वजह है कि क्यूबा जैसे बंद सिस्टम ने न सिर्फ सीआईए प्रमुख का स्वागत किया, बल्कि इस मुलाकात को सार्वजनिक भी किया। क्यूबा ने सफाई दी कि वह अमेरिका के लिए कोई खतरा नहीं है। इसके साथ ही, अमेरिका 1996 में विमान गिराने के मामले में क्यूबा के 94 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर आपराधिक मुकदमा चलाने की तैयारी भी कर रहा है।

यदि क्यूबा अमेरिकी दबाव में झुकता है, तो यह चीन के लिए सबसे बड़ा नुकसान होगा।

जिनपिंग की चेतावनी पर ताइवान का पलटवार- चीन ही क्षेत्रीय असुरक्षा का मूल कारण

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे के दौरान हुई द्विपक्षीय वार्ता में ताइवान का मुद्दा गर्माया हुआ है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस मामले को बेहद संवेदनशील बताकर अमेरिका को टकराव की चेतावनी दी, जिस पर ताइवान ने पलटवार कर चीन को ही क्षेत्रीय असुरक्षा का एकमात्र कारण बताया। बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी बैठक के दौरान, शी ने कहा कि ताइवान मुद्दा चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण है और इस मुददे को गलत तरीके से संभाला गया तब यह बहुत खतरनाक स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि ताइवान की स्वतंत्रता और क्रॉस-स्ट्रेट शांति आग और पानी की तरह एक-दूसरे के विपरीत हैं।

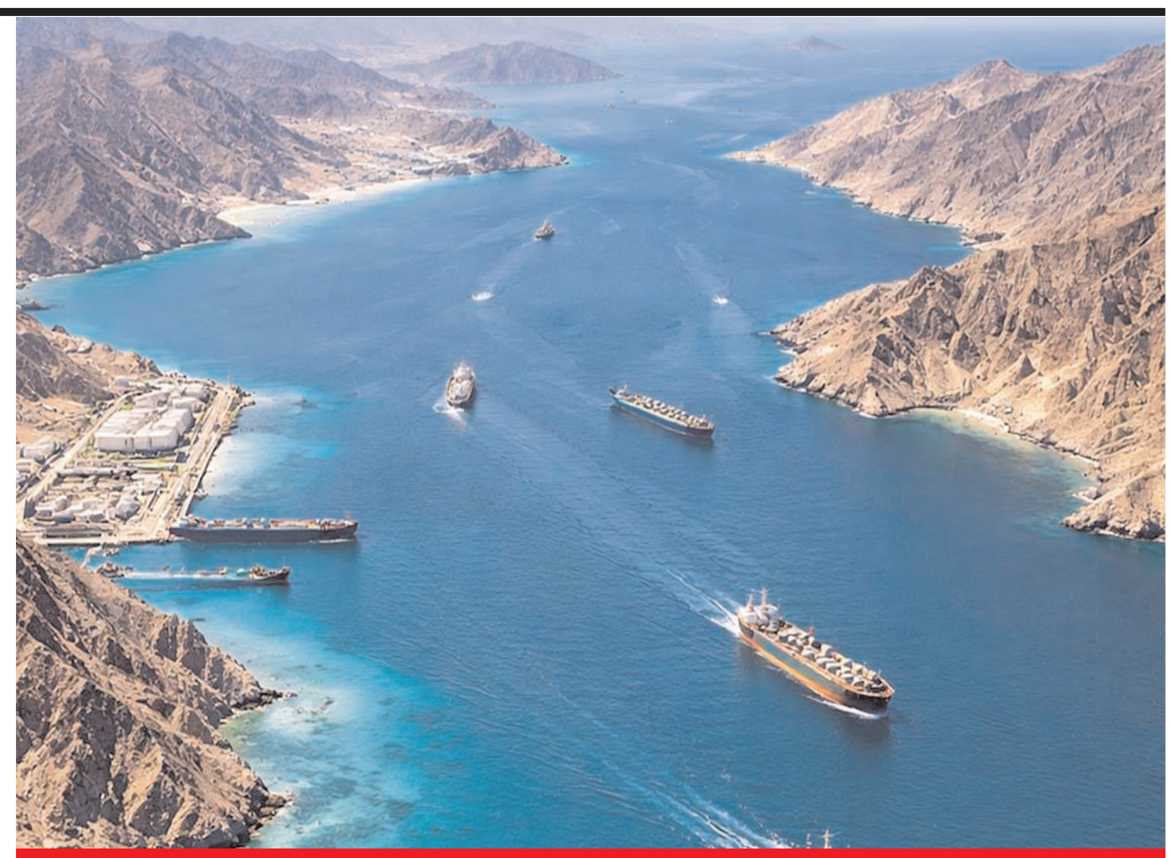

स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जहाजों की आवाजाही शुरू।

जिनपिंग की चेतावनी पर ताइवान का पलटवार: चीन ही क्षेत्रीय असुरक्षा का मूल कारण

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे के दौरान हुई द्विपक्षीय वार्ता में ताइवान का मुद्दा गर्माया हुआ है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस मामले को बेहद संवेदनशील बताकर अमेरिका को टकराव की चेतावनी दी, जिस पर ताइवान ने पलटवार कर चीन को ही क्षेत्रीय असुरक्षा का एकमात्र कारण बताया। बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी बैठक के दौरान, शी ने कहा कि ताइवान मुद्दा चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण है और इस मुददे को गलत तरीके से संभाला गया तब यह बहुत खतरनाक स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि ताइवान की स्वतंत्रता और क्रॉस-स्ट्रेट शांति आग और पानी की तरह एक-दूसरे के विपरीत हैं। चीनी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि अगर ताइवान के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला गया, तब दोनों देशों के बीच टकराव और यहां तक कि संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है, जिससे पूरे द्विपक्षीय संबंध खतरे में पड़ जाएंगे। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ताइवान पर अपना दावा करती है और उसने कसम खाई है कि जरूरत पड़ने पर वह इसे जबरदस्ती अपने नियंत्रण में ले लेगी। लेकिन जिनपिंग के इस बयान पर ताइवान ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ताइवान कैबिनेट के प्रवक्ता मिशेल ली ने कहा, ताइवान स्ट्रेट और हिंद-प्रशांत इलाके में असुरक्षा का एकमात्र स्रोत चीन का सैन्य खतरा है। उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रक्षा क्षमताओं को लगातार बेहतर बनाने और प्रभावी संयुक्त निवारण को सबसे जरूरी कारक बताया।

गौरतलब है कि अमेरिका लोकतांत्रिक तरीके से काम कर रहे ताइवान के साथ मजबूत अनौपचारिक संबंध रखता है, लेकिन चीन के संभावित हमले की स्थिति में अमेरिकी सैन्य दखल पर वह जानबूझकर कुछ भी स्पष्ट नहीं कहता, जिसे रणनीतिक अस्पष्टता कहा जाता है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति शी की चेतावनी को दोहराया। इस बीच, ट्रंप ने बीजिंग में ऐतिहासिक टेंपल ऑफ हेवन का दौरा कर यूनेस्को धरोहर स्थल और चीन की जमकर सराहना की, लेकिन ताइवान से जुड़े सवालों पर वे पूरी तरह मौन रहे। ताइवान के संवेदनशील मुद्दे के अलावा, ट्रंप और शी जिनपिंग ने अपनी बातचीत के दौरान व्यापार, तकनीक, मध्य पूर्व की स्थिति, यूक्रेन युद्ध और उत्तर कोरिया से जुड़े प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

हैती में गैंगवार: 78 लोगों की मौत, 66 घायल

पोर्ट-ओ-प्रिंस। हैती की राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस एक बार फिर भीषण हिंसा और गैंगवार की चपेट में है। शहर के बाहरी इलाकों, विशेष रूप से सिटी सोलेय और क्रोआ-दे-बुके में पिछले कुछ दिनों से जारी खूनी संघर्ष ने भयावह रूप ले लिया है। इस तांडव में अब तक कम से कम 78 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 66 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों में 10 आम नागरिक भी शामिल हैं, जिनमें महिलाएं और एक छोटी बच्ची भी है। इन इलाकों में पिछले दो वर्षों से आपराधिक गिरोहों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है, जिससे सामान्य जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि लोग अपनी जान बचाने के लिए सामूहिक पलायन कर रहे हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, हिंसा के डर से अब तक करीब 5300 लोग अपना घर-बार छोड़कर विस्थापित हो चुके हैं। राजधानी के कई हिस्सों में सन्नाटा पसरा है और विस्थापित लोग सुरक्षित ठिकानों की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हैती में गहराते इस मानवीय संकट और बढ़ती असुरक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

धरती के बेहद करीब से गुजरेगा एस्टेरॉयड, वैज्ञानिकों ने दिया सुरक्षा का भरोसा

न्यूयार्क। अगले हफ्ते एक एस्टेरॉयड, जिसका नाम 2026 जेएच2 है, हमारी पृथ्वी के बहुत करीब से गुजरने वाला है। नासा के वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि यह खगोलीय पिंड चंद्रमा की तुलना में काफी कम दूरी से निकलेगा, लेकिन अच्छी खबर है कि धरती से इसके टकराने की कोई आशंका नहीं है। यह एस्टेरॉयड करीब 90,917 किलोमीटर की दूरी से गुजरेगा, जो चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी का करीब एक चौथाई है। खगोलविदों के लिए इतनी नजदीकी से गुजरना एक दुर्लभ घटना है, फिर भी उन्होंने इसके गुजरने को पूरी तरह सुरक्षित बताया है। अमेरिका के कैनसास और एरिजोना की स्पेस ऑब्जरवेटरी के वैज्ञानिकों ने हाल ही में एस्टेरॉयड की खोज की है। इस अपोलो क्लास के एस्टेरॉयड के रूप में वर्गीकृत किया है।

ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच।

अश्विन ने डीआरएस के डेड बॉल नियम को बदलने की मांग की

चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स टीम की हार के बाद एक बार फिर निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के डेड बॉल नियम पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार इसी नियम का नुकसान पंजाब को हुआ है। अश्विन के अनुसार इस नियम को तत्काल बदल दिया जाये।

इस मैच में पंजाब की पारी के अंतिम ओवर में मुंबई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी की आखिरी गेंद विष्णु विनोद के पैड पर डाली, जिस पर मैदानी अंपायर ने उन्हें तुरंत आउट करार दे दिया। विनोद ने तत्काल रिव्यू लेने का फैसला किया, और टीवी अंपायर ने रीप्ले देखने के बाद मैदानी अंपायर के फैसले को पलट दिया, जिससे विनोद को नॉट आउट घोषित किया गया। हालांकि, अंपायर द्वारा आउट दिए जाने के बाद गेंद को डेड घोषित कर दिया गया था, जिसके चलते पंजाब किंग्स को लेग-बाय का एक भी रन नहीं दिया गया। अश्विन ने इसी डेड बॉल नियम की व्याख्या पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जो उनके अनुसार टीम को अनावश्यक नुकसान पहुंचाता है।

इस घटना से नाराज रविचंद्रन अश्विन ने सोशल मीडिया पर इस नियम को कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, गलत फैसले की वजह से पंजाब को एक रन का नुकसान हुआ और इस नियम को जल्द से जल्द बदलना चाहिए। जिस तरह इम्पैक्ट सब का नियम है, वैसे ही डीआरएस से जुड़े इस बदलाव को भी आईपीएल में लागू किया जाना चाहिए, भले ही आईसीसी इसके लिए समय ले रही हो। अश्विन का यह बयान इस बात पर जोर देता है कि कैसे एक छोटा सा नियम किसी मैच के परिणाम और उसके बाद टीम की स्थिति पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है, और उन्होंने इस पर तुरंत कार्यवाही की मांग की है।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और टाइटंस में मुकाबला

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। जहां केकेआर का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। वहीं गुजरात टाइटंस इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात टाइटंस जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

इस सत्र में जब पिछली बार इन दोनों टीमों में मुकाबला हुआ था तब गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 5 विकेट से मात दी थी। ऐसे में अब केकेआर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 1 जबकि गुजरात ने 4 जीते हैं, वहीं एक मैच का परिणाम नहीं आया है। इस मैच में केकेआर को अगर जीतना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान आजिंक्य रहाणे के अलावा अंगकृष रघुवंशी, कैमरून ग्रीन और रिंकू सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा के अलावा रहस्यमी स्पिनर सुनील नरेन पर आधारित रहेगी

दूसरी ओर इस सत्र में शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी।

बीसीसीआई ने मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच पर जुर्माना लगाया

धर्मशाला। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पंजाब किंग्स के खिलाफ यहां हुए मुकाबले में आचार संहित उल्लंघन के लिए मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। पोलार्ड पर अंपायर के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने के लिए ये जुर्माना लगाया गया है। इस घटना ने जहां मुम्बई इंडियंस की जीत का स्वाद थोड़ा फीका , वहीं दूसरी ओर पोलार्ड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक और नकारात्मक अंक जुड़ गया है, जो भविष्य में उनके लिए और मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

यह अप्रिय घटना मुंबई इंडियंस की पारी के 19वें ओवर की है। तब पोलार्ड को चौथे अंपायर के साथ तीखी बहस करते हुए और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए दोषी पाया गया। क्रिकेट के मैदान पर ऐसे व्यवहार को कभी स्वीकार नहीं किया जाता, और मैच रेफरी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यह जुर्माना लगाया। यह घटना ऐसे समय में हुई जब मुंबई इंडियंस एक बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही थी और मैच काफी रोमांचक मोड़ पर था।

इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने भले ही शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी हो, लेकिन यह जीत उनके लिए बहुत मायने नहीं रखती। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। टीम अब केवल अपने शेष मैचों में गरिमा के साथ प्रदर्शन कर जीत के साथ टूर्नामेंट का अंत करने का प्रयास कर रही है, ताकि अगले सीजन के लिए कुछ सकारात्मक गति बना सके।

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत = लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया।

अक्षर पटेल = वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

फिल सॉल्ट शीघ्र कर सकते हैं वापसी: पाटीदार

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट शीघ्र ही टीम में वापसी कर सकते हैं। सॉल्ट करीब एक महीने से उंगली की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। पाटीदार के अनुसार साल्ट अब पहले से काफी बेहतर हैं और उनके शीघ्र ही टीम से जुड़ने की संभावना है। सॉल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेला था। इसके बाद उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें स्कैन और रिकवरी के लिए इंग्लैंड लौटना पड़ा था। साल्ट के बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ है। सॉल्ट का टीम में होना आरसीबी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है। पिछली कुछ टी20 पारियों में संघर्ष के बाद, सॉल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में जबरदस्त वापसी की थी। उन्होंने सत्र में 202 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 33.66 और स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा है।

इलेक्ट्रिक व्यापारी से मांगी 5 लाख की फिरौती, मामले की पुलिस थाने रिपोर्ट दर्ज करने आए तो किये हवाई फायर

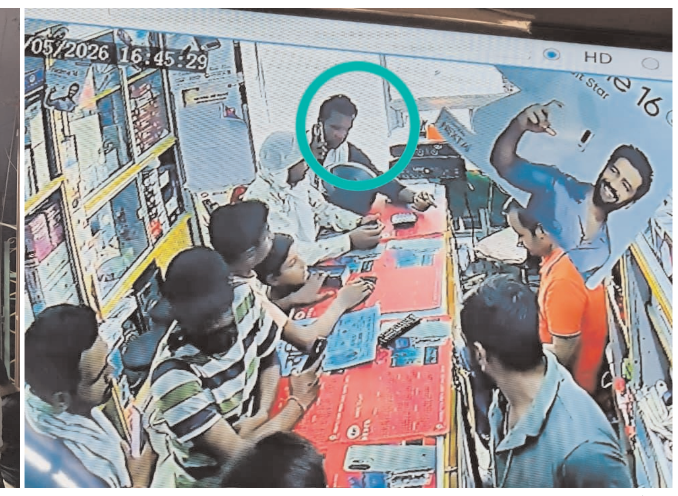

पिपरिया (ब्यूरो)। नगर के मंगलवारा क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात हो गई। जिसमें नगर के प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी सचिन जयसवाल से 5 लाख की फिरौती की मांग की। मामला यही नहीं रुका जब व्यापारी अपने व्यापारी साथियों के साथ मंगलवार पुलिस थाने मामला दर्ज करने पहुंचा। तो आरोपियों ने उनकी दुकान के सामने फिल्मी स्टाइल में आकर और 5 से 7 हवाई फायर कर फरार हो गए। मामले को लेकर नगर व्यापारी संघ, जयसवाल समाज सहित अन्य संगठनों में रोष व्याप्त है। संगठनों ने मंगलवार पुलिस थाने पहुंचकर मामले में लिफ्ट आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। दुकान संचालक सचिन जायसवाल पिता सुभाष कुमार ने बताया कि आज दिनांक 15/05/26 के समय शाम करीब 04/46 बजे मेरे मोबाईल नम्बर 9752810516 पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने मो.न. 9893833987 से फोन किया और वोला कि रज्जू पुर्विया ने तुम्हारे लिये 05 लाख रूपये भिजवाने का संदेश भेजा है और पैसे नही देने पर मुझे जान से मारने की धमकी दिया । उसके 10 मिनट बाद एक अज्ञात आदमी उम्र करीब 35 साल का गले मे सफेद तोलिया डाले हुये मेरी दुकान पर आया और मुझे गुलाबी रंग का पम्पलेट जिसमे पीछे तरफ रज्जू पुर्विया की तरफ से तौहफा लिखा था मुझे दिया और वोला कि इसको अच्छे से पढ ले ।सुबह तक पैसे नही दिये तो जान से खत्म कर दूंगा फिर वह दुकान से वाहर गया और एक मिनट के अंदर एक आदमी जो मुंह पर कपडा बांधा था उसके साथ दुकान के गेट पर आकर खड़ा हो गया और गेट पर खड़े होकर उसने सिल्वर रंग की पिस्टल से फायर किया लेकिन फायर नही हुआ । फिर दोनो एक मोटर साईकिल पर बैठकर मंगलवारा चौक तरफ चले गये। मंगलवारा पुलिस ने निकाले फ्लैग मार्च मंगलवार पुलिस थाने ने मंगलवारा क्षेत्र में घटना घटित होने के पहले फ्लैग मार्च निकाला था ब्लैक मार्च का संदेश था अपराधियों में खौफ और नगर को अपराधी मुक्त बनाने के लिए। मामले को देखते हुए अपराधियों में पुलिस का खौफ नजर नहीं आ रहा है। जिसमें आरोपी भरे बाजार फिरौती की मांग कर रहे हैं। और और जब फरियादी मामले की रिपोर्ट लिखवाने पुलिस थाने जाते हैं तो आरोपी उनकी दुकान पर पहुंचकर फिर फायर कर मौके से फरार हो जाते हैं। मामले को देखते हुए पुलिस प्रशासन का खूब गुंडे बदमाशों में नजर नहीं आ रहा है। मंगलवार पुलिस ने सचिन जायसवाल की रिपोर्ट पर दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 308 (5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

एडवोकेट संकल्प मिश्र को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में पैनल अधिवक्ता नियुक्त

सतना/भोपाल (ब्यूरो)। मध्य प्रदेश शासन के विधि और विधायी कार्य विभाग द्वारा जारी आदेश क्रमांक- 1570/21-ब(दो)/2026; दिनांक 14 मई 2026 के अनुसार राज्य शासन द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में राज्य का प्रतिनिधित्व किए जाने हेतु अधिवक्ता श्री संकल्प मिश्र को मध्य प्रदेश शासन की ओर से सर्वोच्च न्यायालय में पैरवी करने के लिए पैनल अधिवक्ता के रूप में नियुक्त किया गया है।

एडवोकेट संकल्प मिश्र को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में पैनल अधिवक्ता नियुक्त किए जाने पर अधिवक्ता जगत एवं शुभचिंतकों में हर्ष का वातावरण है। मध्य प्रदेश शासन के विधि एवं विधायी कार्य विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार उन्हें सर्वोच्च न्यायालय में मध्य प्रदेश शासन का पक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने हेतु यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है।

एडवोकेट संकल्प मिश्र की इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर उनके मित्रमंडल, अधिवक्तागण एवं बार के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने उनके लंदन में एल. एल. एम. की पढ़ाई, उत्कृष्ट विधिक ज्ञान, प्रभावशाली पैरवी, न्यायिक विषयों पर गहरी पकड़ तथा सर्वोच्च न्यायालय में निरंतर सक्रिय एवं सफल प्रैक्टिस को इस उपलब्धि का प्रमुख आधार बताया है ।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर विभिन्न बार एसोसिएशनों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, मध्य प्रदेश के वरिष्ठ अधिवक्ताओं तथा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की जबलपुर, इंदौर एवं ग्वालियर खंडपीठ के अधिवक्ता साथियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

ज्ञातव्य है कि संकल्प मिश्र, पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास, सतना के पदाधिकारी हैं एवं प्रदेश अध्यक्ष पिकलबॉल एसोसिएशन उत्तर प्रदेश भी हैं।

मंगलवारा पुलिस ने अलग-अलग स्थानो से 76 लीटर शराब सहित बाईक पकड़ी

पिपरिया (ब्यूरो)। मंगलवारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दो अलग-अलग स्थानो पर छापामार कार्यवाही कर 76 लीटर देशी मसाला शराब,बीयर की बाटल एवं बाईक की जप्त। मंगलवारा पुलिस ने प्रेस नोट जारी कर मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साई कृष्ण एस थोटा के मार्ग दर्शन मे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन, एसडीओपी मोहित कुमार यादव के दिशा निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थ एव अवैध शराब बेचने एवं परिवहन करने वालो के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है उसी तारतम्य में थाना पिपरिया पुलिस द्वारा लगातार मुखबिर तंत्र का विस्तार कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। जिसमें 13मई 2026 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई की एक लडका जिसने हरे रंग की शर्ट तथा काली पेंट पहना है अपनी हीरो होण्डा मोटर साईकिल मे दो बैगों मे अबैध शराब लेकर बैचने के लिये पिपरिया की ओर आ रहा है की सूचना पर टडा मोडं से कुछ आगे मुखविर द्वारा बताये हुलिया का व्यक्ति बनखेडी तरफ से मोटर साईकिल से आता दिखा जिसे रोककर जो सामने मोटर साईकिल की टंकी पर एक हरे रंग का बैग एवं मोटर सायकल के बाये तरफएक काले रंग बैग टंगा दिखा मोटर सायकल वाले से उसका नाम पता पूछा जिसने अपना नाम मुकेश पिता साहब लाल कुशवाहा 28 साल निवासी ग्राम खैरीकिशोर थाना बनखेडी का होना बताया जो मोटर सायकल पर रखे दोनो बैग चेक किया जो दोनो बैंगो मे 197 देशी मदिरा मसाला के 180 एमएल कीमती करीबन 19700/- रुपये की जप्त कर आरोपी के विरुद्ध विधिनुसार कार्यवाही की गई। इसी तरह दिनांक 14मई2026 को दिनांक मुखविर से सूचना मिली कि संजू अहिरवार निवासी पुरानी बस्ती गांधी वार्ड पिपरिया का अपने घर के सामने बने जीने के नीचे अबैध शराब रखकर बैचने की फिराक में है ।

कर्नाटक के बाद मध्यप्रदेश बना देश का दूसरा राज्य: इंदौर में शुरू हुआ म.प्र. पुलिस का अत्याधुनिक ड्रोन ट्रेनिंग सेंटर

भविष्य की पुलिसिंग को मिलेगी नई उड़ान, सागर जिले एवं सागर ज़ोन की पुलिस को भी मिलेगा आधुनिक ड्रोन तकनीक प्रशिक्षण का लाभ

सागर (ब्यूरो)। मध्यप्रदेश पुलिस की दूरसंचार शाखा के एकमात्र तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल (क्क्र्रञ्जस्), इंदौर परिसर में मध्यप्रदेश के प्रथम एवं देश के द्वितीय ड्रोन ट्रेनिंग सेंटर 卐पुलिस एरियल सिस्टम्स एण्ड टेक्नोलॉजी सेंटर (PASTEC) इंदौर का शुभारंभ विशेष पुलिस महानिदेशक (दूरसंचार) भोपाल संजीव शमी भापुसे के मुख्य आतिथ्य में उनके करकमलों द्वारा किया गया।

गौरतलब है कि पुलिस विभाग द्वारा इस प्रकार का अत्याधुनिक ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने वाला मध्यप्रदेश, कर्नाटक के बाद देश का दूसरा राज्य बन गया है। यह पहल भविष्य की स्मार्ट एवं टेक्नोलॉजी आधारित पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस अवसर पर पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल इंदौर के निदेशक एवं उप पुलिस महानिरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। उन्होंने बताया कि देशभर में जहां-जहां ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण दिया जाता है, वहां भ्रमण कर जानकारी प्राप्त की गई तथा उसी अनुरूप PRTS इंदौर में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रशिक्षण सामग्री एवं विभिन्न प्रकार के ड्रोन स्थापित किए गए हैं।

मुख्य अतिथि संजीव शमी भापुसे ने अपने उद्बोधन में ड्रोन ट्रेनिंग की आवश्यकता को वर्तमान समय की महती जरूरत बताते हुए कहा कि भविष्य में ड्रोन तकनीक कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन, आपदा राहत, निगरानी एवं संवेदनशील अभियानों में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने यह भी कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस की संवेदनशील कार्यवाहियों के डेटा की सुरक्षा हेतु विभाग का स्वयं का सर्वर एवं सेटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम स्थापित किया जाना समय की आवश्यकता है, जिससे गोपनीय सूचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने ड्रोन ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना में सराहनीय कार्य हेतु संस्था प्रमुख मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं उनकी पूरी टीम की प्रशंसा की।

यह अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र भविष्य में प्रदेशभर की पुलिस इकाइयों को लाभान्वित करेगा। विशेष रूप से सागर जिले एवं सागर ज़ोन की पुलिस को भी यहां उन्नत ड्रोन तकनीक एवं आधुनिक निगरानी प्रणाली का प्रशिक्षण प्राप्त होगा, जिससे अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन एवं आपदा स्थितियों में पुलिस की कार्यक्षमता और अधिक प्रभावी बनेगी।

कार्यक्रम में देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय के कुलगुरु राकेश सिंघई, रजिस्ट्रार प्रज्जवल खरे सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण क्रमश: आशुतोष प्रताप सिंह, अमित सिंह, आर. के. सिंह, मनोज कुमार सिंह, धर्मेन्द्र भदौरिया, अभिषेक आनंद एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त एस.जी.एस.आई.टी.एस. कॉलेज के प्रोफेसर, कृषि यांत्रिकीय विभाग के अधिकारी एवं अन्य आमंत्रित गण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

रिश्ते शर्मशार: घर में अकेली पाकर जेठ ने किया था बहू से बलात्कार

मामले में 3 वर्ष नौ महीने में सुनाया द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश ने फैंसला

पिपरिया (ब्यूरो)। रिश्तो को शर्मशार करने वाली घटना में शुक्रवार को द्वितीय अपर सत्र न्यायालय की न्यायाधीश श्रीमती अर्चना रघुवंशी ने तीन वर्ष नौ महीने बाद एक फैसला सुनाया जिसमें बहु से बलात्कार करने वाले जेठ को 10 वर्ष की सजा सुनाई। अपर लोक अभियोजक रविंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि दिनांक 24 जुलाई 22 को अभियोक्त्री ने इस आशय की रिपोर्ट लेखबद्ध कराई कि घटना के दिन जब वह पीड़िता 10 बजे अपने घर ग्राम मटकुली में चूल्हे पर खाना बना रही थी । उसका पति ग्राम उमरिया कार्य से गया था और सास,जेठानी धान लगाने खेत पर गई थी । वह घर पर अकेली थी । तब पीड़िता के नातेदार जेठ आरोपी अरविंद घर के अंदर घुस आया और पीड़िता को जान से मारने की धमकी देकर उसकी इच्छा के विरुद्ध उसके साथ बलात्कार किया और वहां से भाग गया । अभियुक्त ने घटना की बात रोते हुए अपनी पड़ोसन को बताई और परिवार के लोगों के आने पर थाने पर जाकर रिपोर्ट की पुलिस द्वारा विभिन्न धाराओं में आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की और अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया । विचारण के दौरान द्वितीय अपर सत्र न्यायालय के समक्ष अभियोजन द्वारा 17 साक्ष्यो की साक्ष्य कराई गई एवं बचाव पक्ष द्वारा एक साक्षी की साक्ष्य पेश की गई साक्ष्य के परिसीलन उपरांत न्यायालय द्वारा पीड़िता की साक्ष्य तथा डीएनए की साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त अरविंद उर्फ अड़सठ को अंतर्गत धारा 332(ख),64(1),64(2),351(3) भारतीय न्याय संहिता मैं 5 वर्ष,10 वर्ष एवं 2 वर्ष सश्रम कारावास एवं कुल जुर्माना 2हजार रूपये से दंडित किया है।

अज्ञात ट्रेक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

राजगढ़, । मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के देहात ब्यावरा थाना क्षेत्र के निजी अस्पताल में शुक्रवार को सड़क हादसे में घायल हुए 25 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है तथा जीरो पर मर्ग कायम कर मामला संबंधित थाना चाचैड़ा को भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार गुरुवार देर रात हाइवे पर स्थित बीनागंज-चाचैड़ा पुलिया के पास तेज रफ्तार अज्ञात ट्रेक्टर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ग्राम बमूरी थाना चाचैड़ा जिला गुना निवासी 25 वर्षीय शिवनारायण पुत्र धन्नालाल लोधा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे ब्यावरा के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि शिवनारायण बीनागंज से अपने गांव लौट रहा था।

विधायक ने किया श्रीराम कप सीजन 2 क्रिकेट महाकुंभ का भव्य शुभारंभ

खेल,संस्कृति और राष्ट्रभावना का भव्य संगम बना श्रीराम कप सीजन-2

पिपरिया/पचमढी (ब्यूरो)। पचमढ़ी की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरती पर बहुप्रतीक्षित श्रीराम कप सीजन 2 क्रिकेट महाकुंभ का भव्य शुभारंभ नई ऊर्जा नए उत्साह और राष्ट्रभक्ति के वातावरण के बीच हुआ। वन्दे मातरम् के 150 वर्ष को समर्पित इस ओपन नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 20 टीमों ने सहभागिता दर्ज कराई। जिन्हें चार पूलों में विभाजित किया गया है। उद्घाटन दिवस पर कुल 3 रोमांचक मुकाबले खेले गए। जिनमें खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पहला मुकाबला नर्मदापुरम इलेवन एवं महावीर इलेवन सोहागपुर के मध्य खेला गया। जिसमें महावीर इलेवन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। दूसरा मैच नर्मदापुरम एवं बुधनी के बीच खेला गया। जिसमें नर्मदापुरम की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में विजय हासिल की। वहीं दिन का अंतिम और बेहद रोमांचक मुकाबला बुधनी एवं महावीर इलेवन सोहागपुर के बीच खेला गया। इस मैच में बुधनी की टीम ने जोरदार वापसी करते हुए महावीर इलेवन पर शानदार जीत दर्ज की और टूर्नामेंट में बने रहने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक ठाकुरदास नागवंशी एवं आदित्य नारुलिया के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में छावनी परिषद के नॉमिनेट सदस्य संजय लेडवानी,पूर्व साडा अध्यक्ष कमल धूत,भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन झा,ओमप्रकाश यादव,नफीस खान सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। वन्दे मातरम् के महत्व को उपस्थित खिलाड़ियों एवं दर्शकों के बीच साझा करते हुए राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया गया। प्रोफेसर रेन मानी की शानदार प्रस्तुति, आकर्षक आतिशबाजी एवं भव्य ट्रॉफी सेरेमनी ने पूरे आयोजन को और भी भव्य बना दिया। जिसे देखकर दर्शकों ने खूब उत्साह व्यक्त किया। विशेष रूप से प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार विक्रमादित्य ग्रुप ऑफ़इंस्टीटयूट द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है। जो खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं युवाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय पहल मानी जा रही है। श्रीराम मित्र मंडल के रूपेन्द्र मन्नू साहू ने बताया कि श्रीराम कप सीजन 2 केवल एक खेल आयोजन नहीं बल्कि युवाओं को जोड़ने खेल प्रतिभाओं को मंच देने एवं खेल भावना के साथ राष्ट्रवाद को मजबूत करने का एक प्रेरणादायी प्रयास है।

संक्षिप्त समाचार

अनूपपुर-शहडोल के ग्रामीण क्षेत्रों में पांच हाथियों का आतंक, दहशत में ग्रामीण

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर एवं शहडोल जिले के ग्रामीण अंचलों में पिछले चार माह से पांच हाथियों का आतंक लगातार जारी है। हाथियों की वजह से ग्रामीणों का जीवन भय और असुरक्षा के बीच गुजर रहा है। ग्रामीण रातभर जागकर अपने परिवार और संपत्ति की सुरक्षा करने को मजबूर हैं। इनमें एक आक्रामक हाथी अब तक चार ग्रामीणों और आठ मवेशियों की जान ले चुका है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हाथियों के लगातार बढ़ते आतंक को देखते हुए मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के प्रदेशाध्यक्ष रामलाल रौतेल ने शुक्रवार सुबह अनूपपुर जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर दूर स्थित खांड़ा गांव का दौरा किया। उन्होंने हाथी प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर नुकसान का जायजा लिया। छत्तीसगढ़ के कटघोरा वन मंडल से अलग होकर एक दंतैल हाथी मरवाही क्षेत्र होते हुए मध्यप्रदेश के अनूपपुर एवं शहडोल जिले में लगातार विचरण कर रहा है। इस हाथी ने मरवाही वन परिक्षेत्र में एक व्यक्ति, अनूपपुर जिले के भोलूगढ़ एवं पिपरिया क्षेत्र में एक महिला और एक युवती, तथा शहडोल जिले के केशवाही वन परिक्षेत्र के गिरवा गांव में एक वृद्ध की जान ले ली। इसके अलावा हाथी द्वारा अब तक आठ पालतू मवेशियों को भी मार डाला गया है। दो बालकों एवं एक युवक पर हमले में वे गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

घरेलू गैस सिलेंडरों से कार में अवैध रिफिलिंग, आरोपी गिरफ्तार

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के सुठालिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने घरेलू एलपीजी सिलेंडरों से अवैध रूप से गैस रिफिलिंग करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने गैस सिलेंडर, रिफिलिंग उपकरण और एक मारुति ओमनी कार सहित करीब 3.70 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया। थाना प्रभारी अनिल राहौरिया ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम नालाझिरी रोड स्थित पशु बाजार के पास अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडरों से वाहनों में गैस भरी जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी, जहां शंभु पिता विक्रम सिंह राजपूत (35) निवासी नालाझिरी रोड, सुठालिया को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी घरेलू एलपीजी सिलेंडर से मोटर की सहायता से मारुति ओमनी कार में गैस भर रहा था। इस दौरान गैस रिसाव के कारण आसपास तेज गंध फैल गई थी, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई थी।

भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष के अपहरण, डकैती और मारपीट के मामले में सात गिरफ्तार, 5.97 लाख का मशरूका बरामद

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के कुरावर थाना पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर की सूचना के आधार पर भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष के अपहरण, डकैती और मारपीट के मामले में सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 5.97 लाख रुपए कीमत का मषरुका बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी ने शुक्रवार को पुलिस नियंत्रण कक्ष पर आयोजित प्रेसवार्ता में खुलासा करते हुए बताया कि फरियादी दीपक शर्मा, निवासी इंदिरा कॉलोनी राजगढ़, ने 12 मई को रिपोर्ट दर्ज कराई कि 10 मई को वे अपनी कार से भोपाल से राजगढ़ लौट रहे थे। इसी दौरान तीज बड़ली और कुरावर के बीच एक महिला मंजू प्रजापति ने लिफ्ट मांगी। वाहन रुकते ही अचानक कुछ युवक कार में घुस आए और चाकू दिखाकर दीपक शर्मा को बंधक बना लिया। आरोपितों ने फरियादी से अंगूठी, पेंडल, राडो कंपनी की घड़ी, नगद राशि, एटीएम कार्ड, हस्ताक्षरित चेक एवं अन्य सामान लूट लिया। बाद में उन्हें सीहोर ले जाकर खाते से पैसे भी निकलवाए तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफ धारा 310(2), 140(3), 115(2), 351(3) बीएनएस,25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। विवेचना के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक केएल. बंजारे एवं एसडीओपी नरसिंहगढ़ मिनी शुक्ला के मार्गदर्शन में गठित पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर की सूचना के आधार पर सात आरोपितों को हिरासत में लिया, जिनमें देवा उर्फ देवराज पिता नारायण वंषकार, निवासी गांधी कॉलोनी सीहोर, रविंद्र जीत डग उर्फ काके पिता बलजीतसिंह, पत्नी दिनेश प्रजापति, निवासी कुम्हार मोहल्ला पुरा राजगढ़ शामिल है।

आयुर्वेद की तरफ बढ़ें, आयुर्वेद को अपने जीवन का आधार बनाए: राज्यमंत्री लोधी

ग्राम बनवार में 05 कार्यों का लोकार्पण एवं 03 कार्यों का भूमिपूजन सम्पन्न

617 लाख के कार्यों का लोकार्पण एवं 404 लाख के कार्यों का भूमिपूजन

दमोह (ब्यूरो)। सरकार ने विकास के लिए अधोसंरचना के लिए राशि दी है। चाहे वह स्वास्थ्य, शिक्षा, चाहे अन्य क्षेत्र हो, इसी क्रम में बनवार में लोकार्पण और कुछ काम के भूमि पूजन किए हैं, जिनका भविष्य में लोकार्पण करेंगे। मध्यप्रदेश सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं, इसलिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। चाहे एलोपैथी, आयुर्वेद हो, तेज गति के साथ अस्पताल और महाविद्यालय बढ़ा रहे हैं ताकि आने वाले समय में आमजनों की स्वास्थ्य की सब मिलकर हम चिंता कर सकें, यह विशेष प्रयास है। इस आशय की बात प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा दमोह जिले के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार ने ग्राम बनवार में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन के दौरान कही।मंत्री श्री परमार ने कहा शिक्षा के क्षेत्र में जो आमूलचूल परिवर्तन देश में चल रहा है, इसलिए शिक्षा के संस्थानों में भी अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर देना, अच्छी सुविधाएं देना ताकि गरीब के बेटों के मन में यह हीन भावना नहीं हो कि हम तो सरकारी स्कूल में पढ़ रहे हैं जो सरकारी स्कूल बहुत अच्छी हालत में नहीं हैं। प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कुछ माह पहले जब यह भवन स्वीकृत हुआ था, तब इसका भूमिपूजन करने के लिए मैं आया था। जल्दी ही यह भवन बनकर तैयार हो गया है और 46 लाख रुपये की राशि से यह श्आरोग्य मंदिरश् के नाम से भवन तैयार हुआ है। मैं आपको बताता हूँ कि ये एक भवन नहीं है, पूरे जिले की अगर बात करें तो जिले के प्रभारी मंत्री जी के नेतृत्व में पूरे जिले में जितने भी आरोग्य मंदिर बने हैं, उनका भी लोकार्पण हुआ हैं। लगभग 3 कामों

का भूमिपूजन और 05 कार्यों का लोकार्पण भी हुए है। उन्होंने कहा प्रभारी मंत्री जी की उपस्थिति में इतनी अच्छी, इतनी बढ़िया सौगात हमको मिली हैं। यह आरोग्य मंदिर बनने के बाद आयुर्वेद की तरफलोग बढ़ेंगे, आयुर्वेद को अपने जीवन का आधार बनाएंगे। उसके साथ-साथ यह भी यहाँ बताया गया कि यहाँ योग की क्लासेस भी चलेंगी, जैसे बाबा रामदेव योग करवाते हैं, उसी तर्ज पर यहाँ योग की क्लासेस चलेंगी। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा सरकार निरंतर गरीबों के हित में काम करने वाली सरकार है। सरकार की योजनाएं निरंतर गरीब के हित में हितकारी योजनाएं हैं। प्रदेश की सरकार, डॉक्टर मोहन यादव जी की सरकार, प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार जी की सरकार, आपके धर्मेंद्र भैया की सरकार निरंतर आपके हित में काम कर रही है। घर में बेटी पैदा होती है, तो अपनी सरकार बेटी को लाड़ली लक्ष्मी बना देती है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में आमजनों से अपनी बातें विस्तार से रखी। दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने और लोगों को योग से जोड़ने के उद्देश्य से आयुष विभाग द्वारा लगातार नए आयुष केंद्र खोले जा रहे हैं। योग आज की व्यस्त जीवनशैली में अत्यंत आवश्यक हो गया है, उन्होंने कहा यदि लोग अपनी दैनिक दिनचर्या में नियमित रूप से योग को शामिल करें, तो न केवल आयु में वृद्धि होगी बल्कि अनेक बीमारियों से भी बचाव संभव होगा। सांसद ने कहा कि आयुष विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर खोले जा रहे केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा और योग से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

05 कार्यों का लोकार्पण सम्पन्न- लोकार्पण समारोह में निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। इसमें ग्राम बनवार, विकासखण्ड जबेरा में आयुष औषधालय निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। इस कार्य की स्वीकृत राशि 46.09 लाख रुपये है। ग्राम मडियादो, विकासखण्ड हटा में शासकीय मिडिल स्कूल भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया, जिसकी स्वीकृत राशि 51 लाख रुपये है। विकासखण्ड बटियागढ़ में शासकीय प्राथमिक स्कूल भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। इस कार्य के लिए 43.26 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। देवडोंगरा-कुड़ई-पिपरिया शिकारपुरा-सोजना-खेरी बालगोविंद पुल निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। इस कार्य की स्वीकृत राशि 438.18 लाख रुपये है। इसी प्रकार कृषि विभाग के नवीन भवन निर्माण कार्य का भी लोकार्पण किया गया, जिसकी स्वीकृत राशि 38.54 लाख रुपये है।

03 कार्यों का भूमिपूजन सम्पन्न- भूमिपूजन समारोह के दौरान शिक्षा क्षेत्र से जुड़े तीन बड़े निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई। ग्राम मुहरई, विकासखण्ड हटा में शासकीय हाई स्कूल भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस कार्य के लिए 134.70 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। ग्राम घटेरा, विकासखण्ड जबेरा में शासकीय हाई स्कूल भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसकी स्वीकृत राशि 134.70 लाख रुपये है। ग्राम कुण्डलपुर, विकासखण्ड पटेरा में शासकीय हाई स्कूल भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस परियोजना के लिए भी 134.70 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

लापरवाही पर सख्त कार्रवाई, बिरुहली पंचायत सचिवों का वेतन रोका

कटनी (ब्यूरो)। जिले की बिरुहली पंचायत में सचिवों की कथित लापरवाही और लगातार अनुपस्थिति को लेकर प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। ग्रामीणों की शिकायतों और कामकाज में लगातार आ रही बाधाओं के बाद संबंधित सचिवों का वेतन रोक दिया गया है। ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों पर असर ग्राम पंचायत को ग्रामीण विकास की रीढ़ माना जाता है, लेकिन यहां स्थिति इसके उलट नजर आ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पंचायत में विकास कार्य लंबे समय से प्रभावित हैं और कई योजनाएं ठप्प पड़ी हुई हैं। इससे ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

सचिवों पर मनमानी और अनुपस्थिति के आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सचिव नियमित रूप से पंचायत में उपस्थित नहीं रहते और फोन करने पर भी जवाब नहीं देते। कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ, जिससे लोगों में नाराज़गी बढ़ती गई। ग्रामीणों का कहना है कि कई आवश्यक कार्य रुके पड़े हैं और सचिवों की लापरवाही के कारण आम जनता को बार-बार दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इससे शासन की योजनाओं का लाभ समय पर लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। मामले पर जनपद पंचायत रीठी के सीईओ राजेश नरेंद्र सिंह ने बताया कि सचिवों के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थीं। पंचायत से अनुपस्थित रहने और ग्रामीणों की समस्याओं को अनदेखा करने के चलते उनका वेतन रोक दिया गया है। साथ ही आगे और कड़ी कार्रवाई की बात भी कही गई है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि पंचायत का नियमित निरीक्षण किया जाए और लापरवाह कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके और ग्रामीणों को राहत मिले।

श्रीमद् भागवत कथा में सुनाई कपिल भगवान के जन्म की कथा

मैहर (ब्यूरो)। संगीतमई श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन संगीता सुशील बाजपेयी के आयोजकत्व में किया जा रहा है। शुक्रवार की कथा में व्यासपीठ आचार्य रामेश्वर नारायण जी महाराज ने बताया कि कपिल मुनि का जन्म ब्रह्मा के मानस पुत्र कर्दम ऋषि के घर हुआ। जब कर्दम ऋषि ने संन्यास लिया तब कपिल मुनि ने अपनी मांता देवहुति को योग और ज्ञान का उपदेश देकर उन्हें मोक्ष का मार्ग दिखाया। राजा सगर के 60,000 पुत्रों ने अश्वमेध यज्ञ के घोड़े को चोरी के आरोप में कपिल मुनि के आश्रम में परेशान किया जिससे क्रोधित होकर उन्होंने अपनी आँखों से उन्हें भस्म कर दिया। कपिल मुनि ने बताया था कि इन 60,000 पुत्रों की आत्मा की मुक्ति केवल गंगा जल से ही संभव है, जिसके बाद भागीरथ ने गंगा को पृथ्वी

पर लाया। मान्यता है कि कपिल मुनि ने उत्तराखंड के पौड़ी जनपद श्रीनगर के पास 10 हजार वर्षों तक तपस्या की थी। कपिल मुनि को सिद्धों में श्रेष्ठ माना जाता है और उन्हें ज्ञान और वैराग्य का प्रतीक माना जाता है। कथा में प्रमुख रूप से संगीता सुशील बाजपेयी, श्याम बाजपेयी, पीएल द्विवेदी, अंबिका मिश्रा, शुभम बड़गइयां, कृष्णाधार शर्मा, सुखलाल कुशवाहा, बीरेन्द्र द्विवेदी एवं डीपी पिढ़िहा की उपस्थिति रही।

शादी समारोह में विवाद के बाद चाकूबाजी में 4 घायल

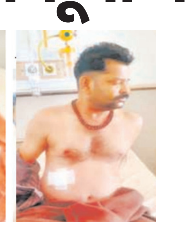

कटनी (ब्यूरो)। जिले से लगे रैपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अधराड में बीती रात शादी समारोह की खुशियां उस वक्त मातम और दहशत में बदल गई, जब मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। चाट-फुल्की खाने को लेकर हुए विवाद में दो आरोपियों ने चार लोगों पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार ग्राम अधराड में वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान चाट-फुल्की के ठेले पर विवाद शुरू हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी अधराड निवासी राहुल और सोनू बर्मन ने तैश में आकर अन्य युवकों पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें सौरभ लोधी 17 वर्ष निवासी रैपुरा, शिवम लोधी 18 वर्ष निवासी रैपुरा, राजकिशोर लोधी 35 वर्ष निवासी बसेहड़ी एवं कुलदीप रैकवार निवासी अधराड शामिल है। घटना के तुरंत बाद घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रैपुरा ले जाया गया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुएए मेडिकल ऑफिसर डॉ एम एल चौधरी ने जिला चिकित्सालय कटनी लाकर दाखिल कराया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रैपुरा पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है। थाना प्रभारी श्रीमती स्मिता सिंह बघेल के अनुसार आरोपियों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है और उनकी तलाश की जा रही है।

महर्षि विद्या मंदिर के छात्रों ने 12 वीं में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मैहर (ब्यूरो)। नगर की अग्रणी शिक्षण संस्थान महर्षि विद्या मंदिर का सीबीएसई बोर्ड 12 वीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। विद्यालय में अंशिका सिंह 83.6 प्रतिशत प्रथम, सौम्य गुप्ता 82.8 प्रतिशत एवं यशवी पाण्डेय 82.8 प्रतिशत दूसरा, सौम्या शुक्ला 79 प्रतिशत तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के 14 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। विद्यालय के प्राचार्य मनोज सिंह परिहार ने सभी सफल विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यालय एवं अभिभावकों एवं शिक्षकों के सहयोग से ही विद्यार्थियों को सफलता मिलती है एवं एक अच्छे नागरिक बनते हैं।

अनाज के कमरे में सल्फास की बदबू की घुटन में दो मासूम बच्चों की मौत, माँ की हालत गंभीर

दमोह (ब्यूरो)। कमरे में अनाज भंडारण को सुरक्षित संरक्षित रखने के लिए एक किसान द्वारा सल्फास की गोलियां अनाथ के साथ ज्यादा मात्रा में रख दिया जाना भारी पड़ गया। भीषण गर्मी के चलते इस कमरे में सो गए दो मासूम बच्चों की सल्फास की बदबू से दम घुट जाने से मौत हो गई वही एक बच्चे की मां का इलाज चल रहा है। फिलहाल पुलिस पूरी घटनाक्रम की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार पथरिया थाना अंतर्गत जेरठ चौकी क्षेत्र से क्या दुखद दर्दनाक घटनाक्रम सामने आया है। दामोदर लोधी की 10 वर्षीय पुत्री भावना और डोमन लोधी का 6 वर्षीय पुत्र समीर लोधी देर रात उसी कमरे में सो गए थे जहा पर अनाज के साथ

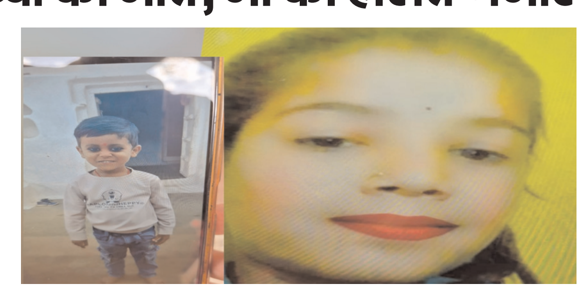

सल्फास की गोलियां रखी हुई थी। बताया जा रहा है सुरक्षा के लिहजा से कमरे का दरवाजा बंद करके सोने की बजह से सल्फास की बदबू पूरे कमरे में भर गई और इसकी घुटन के चलते सांस लेने में तकलीफके चलते दोनों बच्चे कोमा जैसी हालत में चले गए गई। बाद में परिजन दोनों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरिया पहुचे जहा से उन्हें दमोह जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहा ड्यूटीरत डॉक्टर ने चेकअप के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इधर एक बच्चे की मां की तबीयत बिगड़ने पर उसका इलाज लेकिन यह अस्पताल में चल रहा है। जानकारी लगने पर जेरठ चौकी प्रभारी गोपाल सिंह जांच कार्रवाई शुरू करते हुए मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा. पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जैन भाई जी मंदिर में श्रावक संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन

दमोह (ब्यूरो)। श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वाधान में देव शान्तिनाथ दिगम्बर जैन भाईजी मंदिर सिविल वार्ड दमोह में श्रावक संस्कार शिक्षण शिविर का भव्य आयोजन पूज्य निर्यापक मुनि सुधासागर जी महराज के आशीर्वाद एवं मुनि श्री पदमसागर महराज झुल्लक, श्री तात्पर्यसागर जी महाराज के निर्देशन डॉक्टर प्रदीप शास्त्री आचार्य के मार्गदर्शन में किया जा रहा है, जिसमें प्रातःकालीन कक्षाओं में तत्वार्थसूत्र एवं बाल संस्कार भाग 1,2 की कक्षा एवं शाम को तत्पर सूत्र के अतिरिक्त छह ढाला एवं विशेष मंगलाष्टक संस्कृत अनुवाद की कक्षा सांगानेर राजस्थान से पधारे विद्वान पं. अक्षय शास्त्री एवं पं. ऋषि शास्त्री द्वारा लगाई जा रही है तथा स्थानीय विद्वान डॉ? प्रदीप शास्त्री आचार्य के द्वारा विशेष कक्षा लगाई जा रही है। शिविर की कक्षाओं में बच्चों के साथ-साथ महिला एवं पुरुष में बड़ा उत्साह है। भाईजी मंदिर के अध्यक्ष पवन जैन के अनुसार शिविर प्रतिवर्ष अवश्य ही लगना चाहिए जिससे बच्चों में संस्कार एवं बौद्धिक विकास होता है शिविर में सभी बच्चों को प्रातःकाल में सभी के सहयोग से स्वल्पहार प्रदान किया जा रहा है शिविर में विशेष सहयोग देने वाले सृष्टिजन- श्रीमती सीमा, डॉ पीके जैन, श्रीमती रत्ना डॉ प्रतीक जैन, अरहंत अस्पताल डॉ कविता जैन, डॉ अमित जैन, ओ2 अस्पताल श्रीमती आभा भारती संतोष भारती श्रीमती शशि गांगरा रश्मि जैन अरहंत प्लाईवुड कुमुद सिंघई रश्मि सिंघई, प्रवीण सिंघई, कुमुद सेल्स टीवीएस, पवन जैन जैन चश्मा वाले श्रीमती चंदा जैन नेहा संजीव शाकाहारी परिवार माया ताराचंद्र इमलिया परिवार का मंदिर कमेटी द्वारा आभार व्यक्त किया गया है शिविर का समापन रविवार को होगा।

घोड़े को पसंद नहीं आया दूल्हा, गिरने के बाद सम्हले दूल्हे ने घोड़े पर दोबारा बैठने से इनकार किया

दमोह (ब्यूरो)। घुड़ सवारी करना हर किसी के बस की बात नहीं होती लेकिन हर व्यक्ति की जिंदगी में एक अवसर ऐसा आता है जब उसे घोड़े की सवारी करने को मजबूर होना पड़ता है। यह समय होता है उसके विवाह यानि बारात का समय। जब दूल्हे को एक नहीं अनेक बार घुड़सवारी का मौका मिलता है। लेकिन ऐसे में यदि घोड़े को बैठने वाले दूल्हे के तेवर पसंद नहीं आए तो फिर दूल्हे के घोड़ी पर चढ़ने के सपने सपने ही रह जाते हैं। ऐसे ही कुछ हालात के बीच तेंदूखेड़ा नगर में एक नजारा देखने को मिला जब एक घोड़ा दूल्हे को पटकने के बाद शान से खड़ा हो गया वहीं डरे सहमे दूल्हे राजा ने भी घोड़े

पर दोबारा बैठने से मना कर दिया। जान बची तो लाखों पाए लौट के बुद्धू घर को आए की कहावत जैसे इन हालातो की चर्चा लोग अब चटकारे लेकर कर रहे हैं। दरअसल तेंदूखेड़ा निवासी एक युवक की बुधवार को बारात जाना थी। इसके पूर्व पर बैठ कर परिवार के लोग दूल्हा माता के पूजन करने ले गए थे। पूजन के बाद लौटते समय अचानक घोड़े के मिजाज बिगड़ गए तथा उसने आव देखा न ताव दूल्हे को सड़क पर गिरा दिया। दमोह जबलपुर रोड पर स्टेट बैंक के सामने घोड़े के बहकने की यह घटना देखकर लोग एकदम से सहम गए। हालांकि बाद में मालिक की फटकार पर घोड़ा शांत हो गया और लोगों ने राहत की सांस ली। लेकिन घबराए दूल्हे राजा ने घोड़े पर दोबारा बैठने से इनकार कर दिया। इधर लोग इस बात की राहत की सांस लेते नजर आए दूल्हे राजा को ज्यादा कोई चोट नहीं लगी थी वही लोग यहां रहते हुए नजर आए कि शायद दूल्हा माता की पूजा करने में कोई कमी रह गई होगी तभी तो घोड़े ने दूल्हे को पटक दिया। फिलहाल या पूरा मामला तेंदूखेड़ा नगर में चर्चा का विषय बना हुआ है वहीं परिजनों को इस बात की रहता है कि बड़ी अनहोनी होते-होते टल गई। साथ ही परिवार के लोग घोड़े के बिचकने को लेकर उसके मालिक को बुरा भला कहते हुए नजर आए।

न्यूज कैप्सूल

युवती के साथ दुष्कर्म, आरोपित फरार

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के कालीपीठ थाना क्षेत्र में रहने वाली 18 वर्षीय युवती ने गांव के ही एक युवक पर दुष्ड़कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शुक्रवार को मौके से फरार आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार युवती ने बताया कि 7 मई की शाम वह शौच के लिए घर के पीछे स्थित बड़ली की ओर जा रही थी। इसी दौरान उसे गांव का घीसालाल प्रजापति मिला, जिसने उसे जबरन अपने खेत की ओर ले जाने की कोशिश की। विरोध करने पर युवती के साथ उसने दुष्ड़कर्म किया। घटना के बाद आरोपित ने धमकी दी कि अगर उसने इस बात की जानकारी परिवार को दी, तो जान से खत्म कर दूंगा। डरी-सहमी युवती ने हिम्मत जुटाकर घटना की जानकारी परिजनों को दी, जिसके बाद वे उसे साथ लेकर थाने पहुंचे।

पुलिस ने आरोपित घीसालाल के खिलाफ धारा 64(1) और 351(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से आरोपित फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई तेजी से की जा रही है।

महिला का शव मिला घर में, पुरूष का बाहर, धारदार हथियार से हत्या की आशंका

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र में एक महिला और पुरुष की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। 26 वर्षीय सुरेंद्र सोनी का शव स?क किनारे मिला, जबकि 45 वर्षीय लल्ली बाई गोंड का शव घर के अंदर खून से लथपथ मिला है। दोनों प?ौसी थे। नगर पालिका बिजुरी के वार्ड क्रमांक 7 में शुक्रवार सुबह शव देखने के बाद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

थाना प्रभारी विकास सिंह ने बताया कि घटना गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात अंजाम दिया गया है। ऐसा प्रतीत होता हैं कि हमला कुल्हाड़ी से किया गया है। मामले की जांच के लिए डॉग स्क्रायड और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची है। लल्ली बाई विधवा थी। बेटा ड्राइवर है, जो दो दिन पहले ट्रक लेकर बाहर चला गया। दो दिन पहले मायके गई बहू सास की हत?या की सूचना मिलते ही लौट आई है।

वहीं मृतक सुरेंद्र सोनी के नाना जगदीश सोनी ने बताया कि सुरेंद्र रात में कहीं से शराब पीकर घर लौटा था। उसकी पत्नी खाना बना रही थी। कुछ ही देर में सुरेंद्र घर से बाहर निकल गया। थोड़ी देर बाद 'मार डालो-मार डालो' की आवाजें सुनाई दीं। जगदीश ने आशंका जताई कि लल्ली बाई के घर पर कुछ लोग मौजूद थे। सुरेंद्र के पहुंचने पर उन्होंने उस पर हमला कर दिया होगा।

पुल की रेलिंग तोड़कर 200 फीट गहरी खाई में गिरी बोलेरो, ड्राइवर की मौत

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा-भोपाल हाईवे पर शुक्रवार सुबह एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। एक तेज रफ्तार बोलेरो कार नर्मदानगर ओवरब्रिज की सुरक्षा जाली और इंदिरा सागर पावर स्टेशन की रिटेनिंग वॉल (सुरक्षा दीवार) को तोड़कर करीब 200 फीट नीचे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में कार ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 26 वर्षीय अभिषेक नरगावे (पिता मायाराम नरगावे) निवासी ग्राम अंजनिया खुर्द के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि अभिषेक अपनी खुद की बोलेरो को टैक्सी के रूप में चलाता था। गुरुवार रात वह कुछ सवारियों को छोड़ने के लिए पुनासा से राजगढ़ गया था। शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे राजगढ़ से अकेले लौटते समय वह हादसे का शिकार हो गया। अभिषेक अविवाहित था।

नर्मदानगर थाना प्रभारी (टीआई) विकास खिंची ने बताया कि हादसा इंदिरा सागर बांध के मुहाने पर बने ओवरब्रिज पर हुआ। भोपाल की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो अचानक अनियंत्रित हो गई और ब्रिज पर लगी लोहे की सुरक्षा जाली को फांदते हुए सीधे 200 फीट नीचे पावर स्टेशन की दीवार पर जा गिरी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बेहद कठिन परिस्थितियों में 200 फीट नीचे उतरकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कार के गेट बुरी तरह पिचक चुके थे, जिन्हें कटर की मदद से तोड़कर अभिषेक के शव को बाहर निकाला गया।

ब्रीफ न्यूज

राज्यपाल पटेल ने प्रो. शर्मा को आरजीपीवी का किया कुलगुरू नियुक्त

भोपाल। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल ने प्रो. आलोक शर्मा को राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल का कुलगुरू नियुक्त किया है। भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आई.आई.टी.टी.एम.) ग्वालियर के निदेशक प्रो. आलोक शर्मा को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से 4 वर्ष की कालावधि के लिए कुलगुरू नियुक्त किया गया है।

मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग में 2 नए सदस्यों की नियुक्ति

भोपाल। राज्य शासन ने मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग में श्रीमती सोनम निनामा और अधिवक्ता श्रीमती अर्चना गुप्ता को सदस्य नियुक्त किया है। इससे पूर्व डॉ. निवेदिता शर्मा को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया जा चुका है।

आयोग में अब एक अध्यक्ष और दो सदस्यों की पूर्ण समिति कार्यरत होगी। इससे बाल अधिकार संरक्षण, बाल सुरक्षा और बाल कल्याण से जुड़े कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फील्ड मार्शल के.एम. करिअप्पा की पुण्य तिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय सेना के पहले कमांडर इन चीफ, फील्ड मार्शल के. एम. करिअप्पा की पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय करिअप्पा का साहस, अनुशासन और सशक्त नेतृत्व युवा पी?ी के लिए हमेशा प्रेरणादायी और अविस्मरणीय रहेगा।

उद्यानिकी का विस्तार बनेगा कृषि वर्ष में किसानों की समृद्धि का आधार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। प्रदेश में कृषि एवं उससे जुड़ी संबद्ध गतिविधियों को ब?ावा देने की व्यापक कार्य योजना पर अमल जारी हे। कृषि वर्ष में विशेष रूप से उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र विस्तार को प्राथमिकता देते हुए प्रदेश में एक लाख 32 हजार 147 हैक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में उद्यानिकी फसलों का विस्तार करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हमारा उद्देश्य किसानों को परंपरागत खेती के साथ अधिक लाभकारी उद्यानिकी गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करना है।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा तैयार की गई कार्य योजना के अनुसार फल फसलों के क्षेत्र में 18 हजार हैक्टेयर, सब्जी उत्पादन में 54 हजार हैक्टेयर, मसाला फसलों में 56 हजार हैक्टेयर, पुष्प उत्पादन में 3 हजार 500 हैक्टेयर, औषधीय फसलों में 600 हैक्टेयर तथा संरक्षित खेती में 47 हैक्टेयर क्षेत्र वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश सरकार का मानना है कि बदलते कृषि परिदृश्य में उद्यानिकी फसलें किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का सबसे प्रभावी माध्यम बन सकती हैं।

आदि उत्सव जनजातीय गौरव, संस्कृति और उद्यमिता का है अदभुत संगम: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि %%आदि उत्सव%% जैसे आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विरासत से विकास के संकल्प को पूरा करने का माध्यम भी हैं। जनजातीय संस्कृति से जु?ी वैभवशाली परम्पराओं के प्रदर्शन और संरक्षण में ऐसे उत्सवों का विशेष महत्व है। पिछले एक दशक से यह आयोजन जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव हमारी प्राकृतिक, सांस्कृतिक और वैभवशाली विरासत को सहेजने के साथ आधुनिक उद्यमिता के माध्यम से उसे नए आयाम देने का सशक्त मंच बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उत्सव ऐसा प्रतीत हो रहा है, मानो होली और दीपावली एक साथ आ गई हों। उन्होंने मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, उमरिया और छिंदवा?ा अंचल से पहुंचे गोंड एवं बैगा समाज के भाई-बहनों का स्वागत करते हुए आयोजन की भव्यता की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंडला जिले में रामनगर में हुए %%आदि उत्सव%% को मंत्रालय से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडला का गोंड आर्ट, कर्मा, सैला और रीना नृत्य तथा बैगा समाज का परधोनी नृत्य जनजातीय संस्कृति की सुंदर अभिव्यक्ति हैं।

युवाओं को सशक्त बनाने का ऐतिहासिक अभियान है शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना: राज्यमंत्री गौर

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना का हुआ शुभारंभ

भोपाल, नर्मदापुरम और रायसेन के चयनित अभ्यर्थियों को वितरित की किट

पहली बार ओबीसी छात्रावासों में फ्री मेस, दिल्ली छात्रगृह योजना की राशि 1550 से बढ़ाकर 10 हजार

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने शुक्रवार को अपेक्स बैंक परिसर के समन्वय भवन में %शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना% का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया और विधायक श्री भगवानदास सबनानी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में योजना के अंतर्गत भोपाल, नर्मदापुरम और रायसेन जिले के चयनित अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिन्हें राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने प्रशिक्षण किट वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने युवाओं का स्वागत करते हुए इसे अपने राजनीतिक जीवन का एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में हमने यह प्रण लिया था कि पिछड़ा वर्ग के युवाओं का जीवन बेहतर बनाने के लिए हम कुछ ठोस करेंगे और यह योजना युवाओं को सशक्त बनाने का एक बड़ा अभियान है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बताया कि 45 दिन तक चलने वाली यह विभाग की पहली ऐसी रोजगार परक प्रशिक्षण योजना है, जो ओबीसी अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, शौर्य, समर्पण और संकल्प का ज्ञान भी देगी। हमारी योजना का नाम ही %शौर्य और संकल्प% है, जो अपने आप में एक प्रेरणा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नियत किए गए विकास के 4 स्तंभों में युवाओं को एक अहम स्तंभ बताते हुए मंत्री श्रीमती गौर ने युवा शक्ति का आह्वान किया कि वे किसी के भ्रम में न आएं। हमारी केंद्र और राज्य सरकार कौशल, संकल्प और प्रेरणा के जरिए युवाओं को निखारने का काम कर रही है, जो राष्ट्रसेवा की सशक्त राह पर आगे बढ़ाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करते हुए मंत्री श्रीमती गौर ने विभागीय उपलब्धियां भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के इतिहास में पहली बार ओबीसी हॉस्टल में %मेस% की सुविधा शुरू होने जा रही है, जहां विद्यार्थियों को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की संवेदनशीलता है कि %दिल्ली छात्रगृह योजना% की सहायता राशि को 1,550 रुपए से बढ़ाकर सीधे 10 हजार रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है। इसके अलावा छात्राओं को बेहतर वातावरण देने के लिए 31 कन्या छात्रावासों को %आदर्श छात्रावास% के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में मध्यप्रदेश पहला राज्य और हमारा विभाग पहला विभाग है, जो %सोशल इंपैक्ट बॉन्ड% के माध्यम से युवाओं को ट्रेनिंग देकर विदेश भेजने की तैयारी कर रहा है। %सरदार पटेल कोचिंग योजना% के जरिए आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी विद्यार्थियों को नीट, क्लैट और जेईई जैसी परीक्षाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का संकल्प हमारी सरकार ने किया है।

कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार मानते हुए कहा कि राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने ओबीसी वर्ग के छात्रों की बेहतरी के लिए एक शानदार योजना को जमीन पर उतार दिया है। मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा कि राज्यमंत्री श्रीमती गौर के प्रयासों से ही आज यह ऐतिहासिक योजना मूर्त रूप ले रही है।

इंदौर पुलिस की त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही

तीन अपहृत नाबालिग बालिकाओं को 24 घंटे के भीतर उज्जैन से सकुशल दस्तयाब किया

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा गुमशुदा एवं अपहृत बालक-बालिकाओं की सुरक्षित तलाश एवं शीघ्र दस्तयाबी को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेशभर में लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में इंदौर जिले की थाना अन्नपूर्णा पुलिस ने त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही करते हुए तीन नाबालिग बालिकाओं को 24 घंटे के भीतर उज्जैन से सकुशल दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की है।

14 मई को थाना अन्नपूर्णा क्षेत्र से तीन नाबालिग बालिकाओं के गुम/अपहृत होने की सूचना प्राप्त हुई थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित कर तत्काल तलाश प्रारंभ की गई।

पुलिस टीम द्वारा लगातार सघन सर्चिंग अभियान चलाते हुए संभावित स्थानों पर तलाश, आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ, सीसीटीवी फुटेज का परीक्षण तथा तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी एकत्रित की गई। मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने सतत प्रयास करते हुए तीनों बालिकाओं को उज्जैन से मात्र 24 घंटे के भीतर सकुशल दस्तयाब कर लिया। बालिकाओं की काउंसलिंग कर सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

मध्यप्रदेश पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि बच्चों से संबंधित किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तत्काल डायल-112 अथवा नजदीकी पुलिस थाने को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

आईआईटी मुंबई से ली ट्रेनिंग, फिर 50 दिनों के सेवा संकल्प से कुपोषित मासूमों के जीवन में भरी मुस्कान

उज्जैन जिले की पहली मास्टर ट्रेनर बनीं निकिता

भोपाल। अक्सर ऐसा कहा जाता है कि कुपोषण की बेड़ियों को तोड़ना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है, लेकिन जब इरादे फौलादी हों और उसमें मां जैसी ममता का पुट मिल जाए, तो नामुमकिन भी मुमकिन हो जाता है। उज्जैन जिले के महिदपुर-2 परियोजना की ग्राम नलखेड़ा में तैनात आंगनवाड़ी कार्यकर्ता निकिता शर्मा ने कुछ ऐसा ही करिश्मा कर दिखाया है। अपनी मेहनत और विशेषज्ञता के दम पर उन्होंने न केवल 9 गंभीर कुपोषित बच्चों को मौत के मुंह से बाहर निकाला, बल्कि विभाग के लिए एक आदर्श मिसाल भी बन गईं।

आईआईटी की ट्रेनिंग और जमीनी हकीकत का मेल

निकिता की इस सफलता की नींव %प्रोजेक्ट संवर्धन% के तहत पड़ी, जिसमें उन्होंने द्वद्वञ्ज मुंबई की टीम से 5 दिवसीय विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण लिया। इस ट्रेनिंग ने उन्हें %बाल जीवन रक्षा% और कुपोषण मुक्त समाज के वैज्ञानिक पहलुओं से परिचित कराया। निकिता ने सीखा कि कुपोषण का एक बड़ा कारण केवल भोजन की कमी नहीं, बल्कि जागरूकता का अभाव और स्तनपान के सही तरीकों की अज्ञानता के साथ अन्य कई छोटी-छोटी लापरवाही होती है।

50 दिनों का चमत्कार: 2.5 किलो से 5 किलो तक का सफर

प्रशिक्षण के बाद निकिता ने इसे एक चुनौती के रूप में लिया। उन्होंने एक ऐसे नवजात की जिम्मेदारी संभाली जिसका वजन जन्म के समय मात्र 2.5 किलोग्राम था। निकिता ने केवल कागजी खानापूर्ति नहीं की, बल्कि प्रतिदिन होम विजिट कर बच्चे की सेहत का जायजा लिया। उन्होंने बच्चे की मां को सही तरीके से स्तनपान कराने और अन्य संबंधित बातों का ध्यान रखने के साथ पोषण के महत्व को बारीकी से समझाया।

महज 50 दिनों के भीतर बच्चे का वजन दोगुना से अधिक होकर 5.140 किलोग्राम हो गया और लंबाई में भी 10 सेमी की वृद्धि दर्ज की गई।

9 मासूमों को दिया नया जीवन, अब पूरे जिले को देंगी ट्रेनिंग

निकिता का यह जज्बा केवल एक बच्चे तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने एक-एक कर क्षेत्र के 9 गंभीर कुपोषित बच्चों को स्वस्थ श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया। उनके इस असाधारण कार्य को देखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग ने निकिता शर्मा को उज्जैन जिले की %फर्स्ट मास्टर ट्रेनर% की सूची में प्रथम स्थान दिया है। अब निकिता जिले की अन्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और माताओं को कुपोषण से लड़ने के गुर सिखाएंगी।

सम्राट विक्रमादित्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान के लिए 20 मई तक नामांकन आमंत्रित

सुशासन, संस्कृति संरक्षण और विश्व मानव कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा सम्मान

21 लाख रुपये का राष्ट्रीय सम्मान एवं पाँच-पाँच लाख रुपये के तीन शिखर सम्मान भी स्थापित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर सम्राट विक्रमादित्य की गौरवशाली स्मृति में ्रसम्राट विक्रमादित्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान्र स्थापित किया गया है। यह सम्मान सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य, न्यायप्रियता, सुशासन, दानशीलता, प्रजावत्सलता एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन द्वारा संस्कृति विभाग के सहयोग से स्थापित सम्राट विक्रमादित्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान की राशि 1 करोड़ 1 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इसके साथ ही 21 लाख रुपये का राष्ट्रीय सम्मान और पाँच-पाँच लाख रुपये के तीन शिखर सम्मान भी स्थापित किए गए हैं। यह सम्मान भारत की सांस्कृतिक गरिमा को विश्व मंच पर नई पहचान प्रदान करेगा। इच्छुक संस्थाएं एवं व्यक्ति 20 मई, 2026 तक सम्मान के लिए नामांकन भर सकते है।

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्री श्रीराम तिवारी ने बताया कि सम्मान के लिए आवेदन एवं नामांकन प्रक्रिया शोधपीठ की आधिकारिक वेबसाइट https://awards.mvspujjain.com पर प्रारंभ कर दी गई है। वेबसाइट पर सम्मान से संबंधित दिशा-निर्देश, पात्रता, चयन प्रक्रिया एवं विभिन्न श्रेणियों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में व्यापक रूप से हो रहे हैं जल-संरक्षण और जल-संवर्धन के कार्य: जल संसाधन मंत्री सिलावट

भोपाल। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत गांव-गांव, नगर-नगर में जल-संरक्षण एवं जल-संवर्धन के कार्य व्यापक रूप से कराए जा रहे हैं। प्रदेश में गत तीन वर्षों से यह अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य वर्षा काल के पूर्व जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, जीणोद्धार एवं आवश्यक मरम्मत कराए जाना है, जिससे वर्षा काल में इनमें पर्याप्त मात्रा में जल संग्रहण हो सके। इस अभियान में समाज के हर वर्ग का सहयोग लिया जा रहा है तथा इसे जन-आंदोलन का रूप दिया गया है। इस वर्ष जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत 19 मार्च को इंदौर से की गई थी, तब से यह अनवरत जारी है और 30 जून तक चलाया जाएगा।

जल संसाधन मंत्री ने बताया कि अभियान के अंतर्गत प्रमुख रूप से जल संसाधन विभाग द्वारा विभागीय जल स्तोत्रों के समीप की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराना, नहरों की साफ-सफाई, सुदृ?ीकरण एवं सोंदर्यीकरण, जल संरचनाओं के किनारे फैंसिंग एवं वृक्षारोपण, तालाबों की पिचिंग, बोल्डर टो, घाट मरम्मत, लघु सिंचाई परियाजनाओं के फ्लशबार एवं स्लूस मरम्मत, स्टॉपडैम, बैराज, वियर, गेट मरम्मत, जलाशयों में रिसाव रोकने के लिए आवश्यक मरम्मत आदि कार्य कराए जा रहे हैं। विभाग द्वारा अभियान के अंतर्गत इस प्रकार के 1040 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। इसी के साथ विभाग के सभी 9 कछारों में लघु सिंचाई परियोजनाओं में 102 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं।

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही

विगत 05 दिनों में प्रदेशभर में लगभग 1 करोड़ 43 लाख रुपये से अधिक के मादक पदार्थ जब्त

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी कार्यवाही के दौरान विभिन्न जिलों की पुलिस टीमों ने विगत 5 दिनों में 1 करोड़ 43 लाख रूपए से अधिक के मादक पदार्थ, तस्करी में प्रयुक्त वाहन, मोबाइल फोन एवं अन्य सामग्री जब्त करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस द्वारा अवैध गांजा तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए लगभग 04 क्विंटल अवैध गांजा, 03 चारपहिया वाहन एवं 07 मोबाइल फोन सहित 75 लाख रूपए की संपत्ति जब्त कर 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जिले में पुलिस द्वारा अलग-अलग कार्यवाही करते हुए मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध बड़ी सफलता प्राप्त की है। थाना नाहरगढ़ पुलिस ने एक कार से 01 किलो अवैध एमडी ड्रग्स जब्त कर 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्यवाही में लगभग 30 लाख रुपये की संपत्ति जप्त की गई।

वहीं थाना अफजलपुर पुलिस ने अवैध डोडाचूरा की तस्करी करने वाले आरोपी को वाहन सहित गिरफ्तार कर लगभग 8 लाख 24 हजार रुपये की संपत्ति जप्त की है। दोनों कार्यवाहियों में लगभग 38 लाख 24 हजार रुपये से अधिक की संपत्ति जप्त की है।

एल एन मेडिकल कॉलेज जे के हॉस्पिटल में जन्मी नवजात बालिका का सफल ऑपरेशन

भोपाल। एलएन मेडिकल कॉलेज के जे. के. हॉस्पिटल में जन्म के तुरंत बाद सांस लेने में लीफ (Respiratory Distress) के कारण शिशु रोग विभाग के एनआईसीयू में भर्ती किया गया। जन्म के पहले ही दिन हृदय की जांच में 9 मिमी का बड़ा छेद (ृस्ठ) तथा गंभीर पल्मोनरी आर्टरियल हाइपरटेंशन पाया गया, जिसके कारण लंबे समय तक आईसीयू में देखभाल की आवश्यकता पड़ी।

अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान शिशु को कई जानलेवा जटिलताओं का सामना करना पड़ा, जिनमें Pseudomonas °ß´ Klebsiella संक्रमण से उत्पन्न बार-बार होने वाला गंभीर सेप्सिस, Listeria मेनिन्जाइटिस, कार्डियोजेनिक एवं सेप्टिक शॉक, किडनी में संक्रमण, दौरे (Seizures), हृदय की गति धीमी होना तथा खून की कमी होना शामिल थे, जिसके कारण कई बार प्लेटलेट्स एवं रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ी। कई गंभीर परिस्थितियों एवं लंबे समय तक वेंटिलेटरी सपोर्ट के बावजूद, नवजात ने एंटीबायोटिक्स, IVIG थेरेपी, श्वसन सहयोग एवं पोषण पुनर्वास जैसी उन्नत चिकित्सा के द्वारा धीरे-धीरे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली

लंबे समय (49 दिन) तक चली सतत चिकित्सा के बाद शिशु की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार के बाद डिस्चार्ज किया गया

उपचार में डॉ. श्वेता आनंद (प्रोफेसर, शिशु रोग विभाग), डॉ. मंजरी गुप्ता एवं डॉ. नेहिल निगम (असिस्टेंट प्रोफेसर शिशु रोग विभाग) का विशेष मार्गदर्शन रहा। साथ ही डॉ रामनानी (hod माइक्रोबायोलॉजी) एवं डॉ . राजेंद्र निगम (प्रोफेसर पैथोलॉजी) का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

जब पानी घर पहुंचा, तब बदली ग्राम कंधारी की तस्वीर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जल जीवन मिशन बना ग्रामीण बदलाव का आधार

मंत्री श्रीमती उइके के मार्गदर्शन में बसई समूह जल प्रदाय योजना से बदला हजारों लोगों का जीवन

भोपाल। कभी पानी के लिए घंटों इंतजार, हैंडपंपों पर लंबी कतारें और दूर-दूर तक बर्तनों के साथ पानी की तलाश में जाती महिलाएं ग्राम कंधारी की पहचान हुआ करती थीं। गर्मी का मौसम आते ही गांव में पेयजल संकट और गहरा जाता था। कई परिवारों का पूरा दिन पानी की व्यवस्था करने में ही बीत जाता था। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी और महिलाओं की दिनचर्या ही बदल जाती थी। आज वही ग्राम कंधारी बदलती ग्रामीण तस्वीर का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जहां घर-घर पहुंचता शुद्ध पेयजल लोगों के जीवन में सहजता, सम्मान और विश्वास लेकर आया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण अधोसंरचना को जनजीवन से जोड़ते हुए ऐसी योजनाओं को प्राथमिकता दे रही है, जिनका सीधा प्रभाव आम नागरिकों के जीवन पर दिखाई दे। जल जीवन मिशन अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित बसई समूह जल प्रदाय योजना ने दतिया जिले के ग्राम कंधारी सहित क्षेत्र के अनेक गांवों में इसी परिवर्तन को वास्तविक रूप दिया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके के सतत मार्गदर्शन और नियमित मॉनिटरिंग के कारण योजना का लाभ अंतिम छोर तक रहने वाले परिवारों तक पहुंच रहा है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर परिवार तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

स्वामी **निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.**, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर-462023 भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 601, ए-2, फॉर्चून कस्तूरी, होशंगाबाद रोड, भोपाल-11 (म.प्र.) से प्रकाशित।
***स्थानीय संपादक: ज्ञान सिंह बघेल।** पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।), फोन: 9131883521, ई-मेल: janjanjagran@gmail.com **आर.एन.आई.नं. 58842/94**